आश्विन कृष्ण - 12 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 57 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 19-09-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 जीएसटी सुधार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का देश को दिवाली का तोहफा : आदित्यनाथ

6 मोदी-ट्रंप के सार्थक संवाद से क्या राह बदलेगी?

7 काजोल ने आर्यन खान के डेब्यू प्रोजेट को बताया हिट

## फर्स्ट टेक

### ऑनलाइन गेमिंग कानून एक अक्टूबर से होगा लागू : वैष्णव

**नयी दिल्ली, 18 सितंबर (भाषा)** सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बृहस्पतिवार को कहा कि ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन और नियमन अधिनियम एक अक्टूबर से लागू होगा। संसद में पिछले महीने पारित यह अधिनियम, जहां एक तरफ ई-स्पोर्ट्स और अन्य ऑनलाइन गेम को बढ़ावा देता है, वहीं पैसा आधारित सभी प्रकार के ऑनलाइन गेम पर प्रतिबंध लगाता है।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

### दोषी कौन ?

घोषित अयोग्य जन प्रतिनिधि यदि,
दोषी जनमत या दल सुजान।
आखिर कब होगा सदनों में,
सच्ची शुचिता का प्रावधान।
कानून खिलौना है सबका,
इसलिए खिलंदड़ सब बयान।
हरदम क्यों दिखता लुंजपुंज,
डेमोक्रेसी में संविधान।।

# अगर 'इंडि' गठबंधन सत्ता में आया तो बड़े पैमाने पर होगी घुसपैठ : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**डेहरी-ऑन-सोन (बिहार)/भाषा।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को बिहार में भाजपा कार्यकर्ताओं से कहा कि वे विपक्षी इंडिया गठबंधन के वोट चोरी के झूठे विमर्श का जवाब दें और लोगों को सावधान करें कि यदि यह गठबंधन सत्ता में आया तो राज्य में घुसपैठ तेजी से बढ़ेगी। पूर्व भाजपा अध्यक्ष ने विधानसभा चुनाव से कुछ सप्ताह पहले बिहार की राजधानी से लगभग 50 किलोमीटर दूर यहां पार्टी कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कांग्रेस, राजद और वामपंथी गठबंधन पर निशाना साधा।

शाह ने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा के आगामी चुनावों में न केवल साधारण जीत बल्कि दो-तिहाई बहुमत का लक्ष्य रखें।

राहुल गांधी की हाल ही में समाप्त हुई वोटर अधिकार यात्रा का जिक्र करते हुए शाह ने आरोप लगाया कि इसका उद्देश्य बांग्लादेश के घुसपैठियों की रक्षा करना था। उन्होंने पूछा, क्या घुसपैठियों को हमारे देश में वोट देने का अधिकार होना चाहिए? क्या उन्हें वे सभी सुविधाएं मिलनी चाहिए जो हमारे नागरिकों को मिलती हैं? इस पर कार्यकर्ताओं ने जोरदार ढंग से 'नहीं' के नारे लगाए।

शाह ने कहा, राहुल बाबा और उनके साथियों का वोट बैंक घुसपैठियों पर आधारित है। वे घुसपैठियों को नौकरियां, पक्के मकान और मुफ्त चिकित्सा सुविधा देना चाहते हैं जो हमारे युवाओं के लिए हैं। भाजपा के प्रमुख रणनीतिकार शाह ने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे पूरे राज्य में हर घर में जाकर लोगों को यह संदेश दें कि अगर इंडिया गठबंधन सत्ता में आया तो बिहार के हर जिले में घुसपैठियों की भरमार होगी।

# 'मैं सभी धर्मों का सम्मान करता हूं': प्रधान न्यायाधीश गवई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई ने भगवान विष्णु की प्रतिमा के पुनर्निर्माण के मामले में अपनी टिप्पणियों की सोशल मीडिया पर हुई आलोचना के मद्देनजर बृहस्पतिवार को कहा कि वह ''सभी धर्मों'' का सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा, ''किसी ने मुझे बताया कि मैंने जो टिप्पणियां की थीं, इन्हें सोशल मीडिया पर गलत ढंग से चित्रित किया गया है... मैं सभी धर्मों का सम्मान करता हूं।'' उच्चतम न्यायालय ने यूनेस्को की विश्व विरासतों में शुमार मध्य प्रदेश में स्थित खजुराहो मंदिर के परिसर में मौजूद जावरी मंदिर में भगवान विष्णु की सात फुट ऊंची प्रतिमा को पुन: स्थापित करने के अनुरोध से जुड़ी एक याचिका मंगलवार को खारिज कर दी थी।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा था, ''यह पूरी तरह से प्रचार पाने के लिए दायर याचिका है... जाकर स्वयं भगवान से कुछ करने के लिए कहिए। अगर आप कह रहे हैं कि आप भगवान विष्णु के प्रति गहरी आस्था रखते हैं, तो प्रार्थना करें और थोड़ा ध्यान लगाएं।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा था, इस बीच, अगर आप चाहें तो वहां जाकर पूजा कर सकते हैं... वहां एक बहुत बड़ा शिवलिंग है, जो खजुराहो में सबसे बड़े शिवलिंगों में से एक है।

# चीन के रक्षा मंत्री ने ताइवान पर कब्जा करने की धमकी दोहराई

**ताइपे (ताइवान)/एपी।** चीन के रक्षा मंत्री दोंग जुन ने बृहस्पतिवार को बीजिंग में सुरक्षा फोरम की शुरुआत पर एक बार फिर यह धमकी दी कि उनका देश स्व-शासित ताइवान पर कब्जा करेगा। दोंग ने बीजिंग शिआंगशान फोरम में अंतरराष्ट्रीय सैन्य अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि ताइवान का चीन में ''पुनर्स्थापन'' ''युद्धोपरांत अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा'' है। ताइवान 2.3 करोड़ लोगों वाला लोकतंत्र है, जो वर्ष 1949 से चीन से अलग है। बीजिंग ताइवान को एक अलग प्रांत मानता है और उसने ताइवान को अपने नियंत्रण में लाने के लिए बल प्रयोग से इनकार नहीं किया है।

# देश अभी एकल दर वाली जीएसटी प्रणाली के लिए तैयार नहीं : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) स्लैब को युक्तिसंगत बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया है लेकिन देश अभी एकल दर वाली जीएसटी प्रणाली के लिए तैयार नहीं है। हालांकि सीतारमण ने कहा कि भविष्य में एकल दर वाली जीएसटी प्रणाली की संभावना बनी हुई है।

सीतारमण ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि पांच, 12, 18 और 28 प्रतिशत की चार दरों वाली जीएसटी संरचना मनमाने ढंग से तय नहीं की गई थी, बल्कि यह विभिन्न राज्य-स्तरीय करों को उसके नजदीकी स्लैब में रखने की एक विस्तृत प्रक्रिया के जरिये तय की गई थी। उन्होंने कहा, ''जब जीएसटी प्रणाली की समीक्षा की गई, तो एक जरूरत यह थी कि वे (जीएसटी परिषद के सदस्य) चार दरें नहीं चाहते थे।

# 'वोट चोरों' और 'लोकतंत्र के हत्यारों' की रक्षा कर रहे हैं मुख्य निर्वाचन आयुक्त : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कथित 'वोट चोरी' के खिलाफ अपनी मुहिम के क्रम में बृहस्पतिवार को मतदाता सूचियों से ''कांग्रेस समर्थक मतदाताओं'' के नाम हटाए जाने का विषय उठाया और आरोप लगाया कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ''लोकतंत्र की हत्या करने वालों'' तथा ''वोट चोरों'' की रक्षा कर रहे हैं।

निर्वाचन आयोग ने उनके आरोपों को गलत और निराधार करार दिया।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने यहां पार्टी मुख्यालय 'इंदिरा भवन' में संवाददाता सम्मेलन में कर्नाटक के कलबुर्गी जिले के आलंद विधानसभा क्षेत्र के आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया कि कांग्रेस के मतदाताओं के नाम हटाने का प्रयास सुनियोजित तरीके से किया गया तथा इसमें सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल हुआ।

### कोई भी वोट ऑनलाइन नहीं हटाया जा सकता

निर्वाचन आयोग ने बृहस्पतिवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर 'वोट चोरों' की रक्षा करने के कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरोपों को गलत और निराधार बताया। आयोग ने जोर देकर कहा कि संबंधित व्यक्ति का पक्ष सुने बिना कोई भी नाम हटाया नहीं जा सकता।

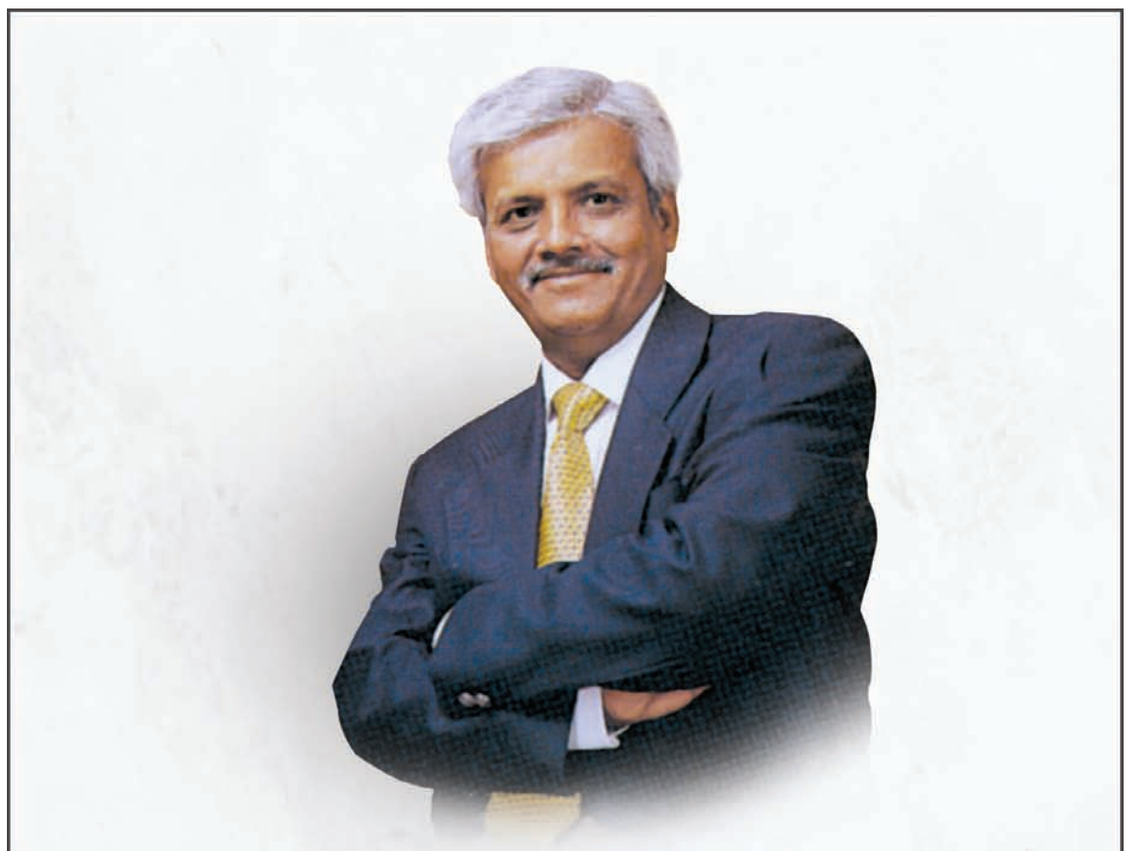

**Shri Rajendra Kumar Bothra**

**1954 - 2008**

A luminous soul whose profound wisdom
shaped generations,
A devoted Karamyogi whose noble deeds
transcended words.
His spirit continues to illuminate our path,
Through his extraordinary legacy of
compassion and integrity,
He lives eternally in our hearts and
aspirations.
With boundless gratitude and reverence.

IN ETERNAL REMEMBRANCE

**Bothra Family**
'Mulberry House'
#2 O' Shaughnessy Road, Bengaluru - 560025

सत्रहवीं पुण्यतिथि
भावपूर्ण श्रद्धांजलि

स्व. श्री घेवरचंदजी चुन्नीलालजी सुराणा
28.04.1941 - 19.09.2008
स्मरण कर आपका, श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हैं।
सदा रहे आशीष आपका, प्रभु से प्रार्थना करते हैं।
जीवन का प्रत्येक पल आपके आदर्शों एवं सिद्धांतों से मार्गदर्शित होकर नेक कार्यों में समर्पित और संकल्पित बना रहें।
श्रद्धावनत
समस्त सुराणा परिजन
बालराई (राज.)- बेंगलोर

MICRO LABS
MICRO LABS LIMITED
# 31, Race Course Road, Bangalore - 01
Ph. : 080-22370451-55 Fax : 080-22370463

Surana College • Surana Vidyalaya
SURANA EDUCATIONAL INSTITUTIONS
# 16, South End Road, Bangalore - 560 004.
Ph. : 080-26642292 Fax : 080-26541095

KREATIVE

# नई पीढ़ी का जीवन-निर्माण आज सबसे बड़ी चुनौती : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। स्थानीय राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में गुरुवार को आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि नई पीढ़ी का जीवन-निर्माण आज हर परिवार के सामने बहुत बड़ी चुनौती है। जो भी अभिभावक इस कार्य में उदासीन रहेंगे, वे अपने हाथों से सब-कुछ खो देंगे। उनके पास पछतावे के अलावा कुछ नहीं बचेगा। आधुनिक ज़माने के भरोसे मासूम बालक अपने आप बड़े नहीं होंगे, उल्टा वे बिगड़ कर बरबाद हो जाएंगे।

उन्हें बड़ा करने और परिपक्व बनाने की नई तरकीबें हर अभिभावक को सीखनी होंगी। समाज को रूढ़ियों और पुरातन विचारों से ऊपर उठना होगा लेकिन सिनेमा और टेलीविजन की बातों से नहीं, अपने अनुभवों और परिस्थितियों को देखकर अब नई पीढ़ी को प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है। जमाना तो कल भी खराब ही था, हमें उसे अपनी संस्कृति और परंपराओं के अनुरूप बदलने का पुरुषार्थ करना चाहिए। सिर्फ ज़माने को दोष देकर चलते रहने से कोई सार्थक परिवर्तन नहीं होगा। यह तो परिस्थितियों से पलायन करने की प्रवृत्ति हुई। संसार और समय तो यूं ही गति करते रहेंगे, हमें ही संभलकर अच्छी संभावनाएं खड़ी करनी होगी। गणि पद्मविमलसागरजी ने बताया कि सदाचार के बिना धर्म की बातें करने का कोई अर्थ नहीं है। दुराचार बरबादी के अलावा किसी मार्ग पर नहीं ले जाता। इसके असह्य अपार दुःख है। जैन संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना ने आगामी कार्यक्रम की जानकारी दी। सचिव हरीश गादिया ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

# पन्यान्हिका महोत्सव में परमात्मा को 25 कुसुमांजलि अर्पित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में दादावाड़ी प्रांगण में साध्वी चम्पाश्रीजी की पुण्यतिथि एवं साध्वी सुलक्षणाश्रीजी के आत्मश्रेयार्थ पंचान्हिका महोत्सव के दूसरे दिन पन्यासश्री विवेकविजयजी, मलयप्रभ सागर जी व साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी की निश्रा में दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी द्वारा अर्हत महापूजन का शुभारंभ हुआ। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने बताया कि विधिकारक विक्रम गुरु द्वारा विधि-विधान किया गया। मंदिर में कुंभ स्थापना, दीपक स्थापना, ज्वारारोपण मंत्रोच्चारण के साथ तथा परमात्मा के जिनार्चन के साथ सकल संघ द्वारा 25 कुसुमांजलि अर्पित की गई। परमात्मा के माता पिता संघवी शांतिदेवी पुखराज तेजराज गुलेच्छा परिवार, परमात्मा के इन्द्र इन्द्राणी अमृतलाल महेन्द्रकुमार भंसाली परिवार बना। पंच परमेष्टि पूजन का लाभ बाबूलाल प्रवीणकुमार भंसाली परिवार ने लिया।

इस अवसर पर प्रवक्ता अरविन्द कोठारी व प्रचार प्रसार संयोजक ललित डाकलिया सहित दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

# जीतो नार्थ लेडीज विंग ने आयोजित किया 'रिश्तों की मज़बूत डोर-नारी' कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इंटरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) नार्थ चैप्टर के तत्वावधान में जीतो लेडीज विंग द्वारा राष्ट्रीय प्रोजेक्ट श्रमण आरोग्यम के अंतर्गत 'रिश्तों की मज़बूत डोर-नारी' नामक विशेष सत्र का आयोजन पुष्कर भवन में किया गया जिसमें 250 महिलाओं ने भाग लिया। लेडीज विंग की अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने सभी का स्वागत किया। संयोजिका अलका लोढ़ा ने उपप्रवर्तकश्री नरेश मुनि जी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। सहसंयोजिका मधु बलदोटा ने गीत प्रस्तुत किया। मंच संचालन एवं आभार महामंत्री रक्षा छाजेड़ ने किया। पुष्कर आराधना भवन के मंत्री महावीर मेहता ने जीतो पदाधिकारियों का सम्मान किया।इस मौके पर नरेशमुनिजी ने कहा कि नारी बेटी, बहू, मां, पत्नी, बहन सभी रूपों में पूजनीय है। उन्होंने नारी को समाज का आधार स्तंभ बताते हुए मर्यादा का महत्व समझाया और कहा कि नारी सहनशक्ति व त्याग की मूर्ति है, जिसे सदैव रिश्तों की मज़बूत डोर बनाए रखनी चाहिए। शालिभद्रमुनिजी ने कहा कि मनुष्य को सुंदरता और सुगंध से भरे पुष्प के समान होना चाहिए, जहां सेवा और साधना की सुगंध अपने आचरण से लानी होती है। साध्वी समृद्धिश्रीजी ने 'प्रोजेक्ट, सेलेक्ट और कलेक्ट' जैसे तीन महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डालते हुए श्रमण आरोग्यम योजना की सराहना की। अपेक्स श्रमण आरोग्यम की संयोजिका सुनीता गांधी ने योजना की जानकारी दी।

इस अवसर पर जीतो नार्थ लेडीज विंग के संयोजक नेमीचंद दलाल, अपेक्स हाउसहोल्ड मॉडल संयोजिका बिंदु रायसोनी, महिला उपाध्यक्ष सुमन सिंघवी, कोषाध्यक्ष तनुजा मेहता, सहमंत्री सुमन रांका आदि उपस्थित थे। जीतो संस्था की ओर से नरेशमुनि जी को श्रमण आरोग्यम का फॉर्म भेंट किया गया।

## स्मृति शेष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के विष्णुवर्धन अभिमानी बळगा संघ द्वारा दिवंगत अभिनेता कर्नाटक रत्न विष्णुवर्धन के 75वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में मलथहल्ली में स्मृति कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें बड़ी संख्या में अभिनेता विष्णुवर्धन के प्रशंसकों ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत ने कन्नड़ अभिनेता विष्णुवर्धन के चित्र पर पुष्प अर्पित करके कर्नाटक फिल्म जगत में उनके योगदान को याद किया।

# भक्त के वश में होते हैं भगवान : पंडित पवन शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्रीराम सेवा समिति एवं संस्कार सखी मंडल शांतिनगर के सहयोग से पितृपक्ष में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव के चतुर्थ दिवस में पंडित पवन जी ने गजेंद्र मोक्ष की कथा के माध्यम से बताया कि भगवान भक्त की करुण पुकार सुनकर दौड़े चले आते हैं बस भक्त को पूरे समर्पण व श्रद्धा से उन्हें पुकारना होता है। भगवान भक्त के वश में होते हैं। कथा वाचक ने समुद्र मंथन, राजा बलि और वामन भगवान की कथा का पान करवाया।

भगवान कृष्ण ने धर्म की स्थापना के लिए लीलाएं की। कथावाचक ने भगवान कृष्ण के जन्म की मनमोहक कथा व बाल लीलाओं का वर्णन कर भक्तों को आनंदित किया। इस अवसर पर वामन अवतार की और कान्हा-वासुदेवजी की मनोरम झांकी शांतिनगर की महिलाओं द्वारा प्रस्तुत की गई।

# दिल्ली सरकार आदर्श इलेक्ट्रिक वाहन नीति तैयार करने पर काम कर रही है : मुख्यमंत्री गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि दिल्ली सरकार एक नई आदर्श इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति पर काम कर रही है और उन्होंने पुष्टि की कि 2026 के अंत तक सभी सार्वजनिक परिवहन इलेक्ट्रिक हो जाएंगे।

द सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुये, गुप्ता ने इस बात पर ज़ोर दिया कि दुर्घटनाओं के लिए चालक ज़िम्मेदार होते हैं। उन्होंने कहा, ''दुर्घटनायें हर मिनट, हर घंटे होती हैं। वाहन दोषी नहीं हैं; चालक दोषी हैं। हमें भारतीयों की मानसिकता बदलने की ज़रूरत है।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''कई लोग सीट बेल्ट नहीं लगाने में गर्व महसूस करते हैं। हालांकि, यातायात नियमों का और सख़्ती से पालन होना चाहिए। उन्होंने कहा, ''अगर आपको विदेश में यातायात नियम तोड़ने में डर लगता है, तो आपको यहां उन्हें तोड़ने की इजाज़त नहीं मिलनी चाहिए।'' गुप्ता ने लोगों से ''सरकार की खातिर नहीं, बल्कि अपनी सुरक्षा के लिए'' यातायात नियमों का पालन करने का आग्रह किया।'' उन्होंने दिल्ली में कूड़े के पहाड़, यातायात जाम और प्रदूषण जैसी लगातार बनी रहने वाली समस्याओं को स्वीकार किया और आश्वासन दिया कि सरकार इन समस्याओं का समाधान कर रही है।

# भारत, अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर बातचीत सही दिशा में आगे बढ़ रही : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**अबू धाबी/भाषा।** वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता में प्रगति है और यह सही दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि दक्षिण और मध्य एशिया के लिए सहायक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच 16 सितंबर को भारतीय आधिकारिक दल के साथ दिन भर की बातचीत के लिए नई दिल्ली में थे।

गोयल ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''बातचीत सकारात्मक रूप से आगे बढ़ रही है। यह सही दिशा में आगे बढ़ रही है। भारत और अमेरिका स्वाभाविक साझेदार हैं। बातचीत में अच्छी प्रगति है...।''

गोयल ने कहा, ''बातचीत जारी है... अमेरिका हमारा विश्वसनीय साझेदार है।'' वाणिज्य मंत्रालय कह चुका है कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर अमेरिकी टीम के साथ दिन भर की चर्चा सकारात्मक रही और दोनों पक्ष समझौते को जल्द और पारस्परिक रूप से लाभकारी रूप से पूरा करने के लिए प्रयास करने पर सहमत हुए।

अमेरिकी अधिकारियों के साथ सात घंटे की बैठक के बाद मंत्रालय ने एक बयान में कहा था, ''पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते को जल्द से जल्द अंजाम तक पहुंचाने के प्रयासों को तेज करने का निर्णय लिया गया है।''

अमेरिका ने भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत का भारी शुल्क लगाया है। इस लिहाज से यह बातचीत महत्वपूर्ण थी।

# तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने ब्रिटिश कंपनियों से मुसी नदी परियोजना में 'साझेदार' बनने का आग्रह किया

**हैदराबाद/भाषा।** तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने राज्य सरकार द्वारा बड़े पैमाने पर शुरू की जा रही मूसी नदी पुनरुद्धार परियोजना में ब्रिटिश कंपनियों से भागीदार के रूप में शामिल होने का अनुरोध किया है। भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त लिंडी कैमरन के नेतृत्व में एक आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल ने बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री से मुलाकात की।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने उच्चायुक्त को राज्य में विनिर्माण उद्योग और निवेश संभावनाओं को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार के विभिन्न महत्वपूर्ण कदमों की जानकारी दी। विज्ञप्ति में कहा गया है कि मुख्यमंत्री ने ब्रिटिश उच्चायुक्त से अनुरोध किया कि वे ब्रिटिश निवेशकों को राज्य के फार्मा, 'ईवी' क्षेत्र और हैदराबाद के बाहरी इलाके में प्रस्तावित 'फ्यूचर सिटी' परियोजना में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करें। लिंडी कैमरन ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ब्रिटेन सरकार शिक्षा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी सहयोग देने के लिए तैयार है।

# गांधीनगर में साबरमती नदी के किनारे 700 अवैध ढांचों को गिराने का अभियान जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**अहमदाबाद/भाषा।** गुजरात में गांधीनगर निकाय प्रशासन और अन्य अधिकारियों ने साबरमती नदी के किनारे एक लाख वर्ग मीटर सरकारी भूमि पर अतिक्रमण हटाने के लिए बृहस्पतिवार तड़के एक बड़ा तोड़फोड़ अभियान शुरू किया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गुजरात की राजधानी में लगभग 700 अवैध ढांचों को ध्वस्त करने के लिए चिह्नित किया गया और दोपहर तक उनमें से लगभग 150 को गिरा दिया गया।

जिला पुलिस अधीक्षक रवि तेजा वासमसेट्टी ने बताया कि गांधीनगर नगर निगम (जीएमसी), राज्य सड़क एवं भवन (आरएंडबी) विभाग और स्थानीय पुलिस ने गुजरात की राजधानी में पेथापुर क्षेत्र में तड़के लगभग चार बजे अभियान शुरू किया था। पुलिस अधीक्षक ने संवाददाताओं को बताया, ''आरएंडबी और जीएमसी की 20 टीम की निगरानी में साबरमती नदी के किनारे सरकारी जमीन पर बने लगभग 700 अवैध ढांचों को हटाने का अभियान जारी है। हमने उनकी मदद के लिए अधिकारियों समेत 700 पुलिसकर्मियों को तैनात किया है।'' पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोपहर तक लगभग 150 अवैध रूप से निर्मित मकानों और दुकानों को गिरा दिया गया, जबकि शेष अतिक्रमणों को हटाने का काम जारी है। वासमसेट्टी ने कहा, जिस भूमि पर अतिक्रमण किया गया है उसका कुल क्षेत्रफल लगभग एक लाख वर्ग मीटर है और इसका बाजार मूल्य 1,000 करोड़ रुपए है। हमें उम्मीद है कि अतिक्रमण हटाने का यह अभियान दो-तीन दिनों में समाप्त हो जायेगा।''

# हिमाचल के बारिश प्रभावित क्षेत्र में कंगना रनौत को करना पड़ा विरोध का सामना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**शिमला/भाषा।** बॉलीवुड अभिनेत्री और मंडी से भाजपा सांसद कंगना रनौत बृहस्पतिवार को जब हिमाचल प्रदेश के मनाली में बारिश प्रभावित क्षेत्र का दौरा करने पहुंचीं तो उन्हें ''कंगना वापस जाओ, तुमने देर कर दी'' जैसे नारों का सामना करना पड़ा।

कुल्लू ज़िले में मनाली के पतलीकुहल क्षेत्र में रनौत के दौरे के ख़िलाफ़ स्थानीय लोगों द्वारा नाराज़गी जताए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। इस वीडियो में स्थानीय लोग अभिनेत्री एवं राजनीतिक नेता के काफिले के पास काले झंडे लिए नारे लगाते नज़र आते हैं। कंगना के साथ पहुंचे भाजपा नेताओं और अन्य लोगों ने जब लोगों को शांत करने की कोशिश की तो तीखी बहस भी हुई और शांति बहाल करने के लिए पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। कुल्लू तथा मनाली में 25 और 26 अगस्त को कई स्थानों पर भारी बारिश के कारण भूस्खलन हुआ और अचानक बाढ़ आ गई तथा ब्यास नदी की तेज धारा में एक बहुमंजिला होटल और चार दुकानें बह गईं। ब्यास नदी के बढ़ते जलस्तर के कारण चंडीगढ़-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग और मनाली-लेह राजमार्ग के कई हिस्से बह गए। कुल्लू शहर, बस स्टैंड और बिंदु ढांक को जोड़ने वाले मनाली के राइट बैंक रोड को भी भारी नुकसान पहुँचा है। कुल्लू के रामशेल क्षेत्र में एक मकान क्षतिग्रस्त हो गया, मनाली के पास 14 मील क्षेत्र में घरों में पानी घुस गया तथा पतलीकुहल में नदी-नालों के उफान पर होने से एक मछली फार्म क्षतिग्रस्त हो गया। इससे पहले दिन में कंगना ने मनाली उपमंडल के सोलंग और पलछन के आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया, प्रभावित लोगों से बातचीत की और स्थिति का जायजा लिया।

# रेलवे, सड़क, हवाई अड्डों में संपत्ति मौद्रीकरण तेज करने की जरूरत : सेबी प्रमुख

**मुंबई/भाषा।** बाजार नियामक सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने बृहस्पतिवार को कहा कि रेलवे, सड़क, हवाई अड्डे और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सरकार की संपत्तियों का मौद्रीकरण तेज करना जरूरी है ताकि निवेशकों की पूंजी को इन परियोजनाओं में लगाया जा सके।

सेबी प्रमुख बनने से पहले निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के प्रभारी रह चुके पांडेय ने कहा कि अधिकांश राज्य सरकारें अभी तक संपत्ति मौद्रीकरण के लिए योजना नहीं बना पाई हैं। उन्होंने कहा कि इस अंतर को दूर करने से बुनियादी ढांचा निर्माण को बढ़ावा मिलेगा और संसाधनों की उपलब्धता बढ़ेगी। पांडेय ने कहा कि बुनियादी ढांचे के लिए बहुत बड़े पैमाने पर पूंजी की जरूरत है और इसे केवल सरकार एवं बैंकों के ऊपर नहीं डालना चाहिए।

# अब हमें निर्वाचन आयोग के अंदर से मदद मिलनी शुरू हो गई है : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि 'वोट चोरी' के मुद्दे पर अब उन्हें निर्वाचन आयोग के अंदर से मदद मिल रही हैं और सूचनाएं उन तक पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा करने का काम उनका नहीं, बल्कि संस्थाओं का है, लेकिन संस्थाओं के अपना काम नहीं करने के कारण वह बतौर नेता प्रतिपक्ष यह जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने मुहिम के क्रम में बृहस्पतिवार को मतदाता सूचियों से ''कांग्रेस समर्थक मतदाताओं'' के नाम हटाए जाने का विषय उठाया और आरोप लगाया कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ''लोकतंत्र की हत्या करने वालों'' तथा ''वोट चोरों'' की रक्षा कर रहे हैं। निर्वाचन आयोग ने उनके आरोपों को गलत और निराधार करार दिया।

राहुल गांधी ने एक सवाल के जवाब में संवाददाताओं से कहा, ''निर्वाचन आयोग के अंदर से हमें मदद मिलनी शुरू हो गई है। यह रुकने वाला नहीं है।'' उनका कहना था कि एक बार देश की जनता और युवाओं को पता लग गया कि 'वोट चोरी' हो रही है तो इसे रोकने के लिए वे अपनी ताकत लगा देंगे।

# ईपीएफओ के पोर्टल पर अब एक ही लॉगिन से मिल जाएंगी सभी जरूरी सेवाएं : मांडविया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** सेवानिवृत्ति कोष निकाय ईपीएफओ के सात करोड़ से अधिक अंशधारकों को अब एक ही पोर्टल पर सभी प्रमुख सेवाओं और अपने खाते से जुड़ी जानकारियां एकल लॉगिन के जरिये मिल जाएंगी। श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने यह जानकारी दी।

मांडविया ने यहां संवाददाताओं से कहा कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने सदस्यों को अधिक पारदर्शी, सरल और उपयोगकर्ता अनुकूल सेवाएं देने के लिए कई सुधार किए हैं। अब तक सदस्यों को पासबुक पोर्टल पर अलग से लॉगिन कर अंशदान एवं निकासी का विवरण देखना पड़ता था। लेकिन अब नए 'पासबुक लाइट' फीचर को सदस्य पोर्टल पर ही शामिल कर दिया गया है। इस सुविधा से अंशधारक ईपीएफइंडिया के यूनिफाइड पोर्टल पर ही सीधे जाकर अपने अंशदान, निकासी और शेष राशि का संक्षिप्त विवरण देख सकेंगे। इसके लिए उन्हें पासबुक पोर्टल पर अलग से लॉगिन करने की जरूरत नहीं होगी। हालांकि, विस्तृत ग्राफिकल पासबुक की सुविधा पहले की तरह पासबुक पोर्टल पर मिलती रहेगी। मांडविया ने कहा कि एकल लॉगिन की सुविधा से न केवल उपयोगकर्ता अनुभव बेहतर होगा बल्कि पासबुक पोर्टल पर दबाव घटेगा और तकनीकी संरचना भी आसान होगी। श्रम मंत्री ने कहा कि भविष्य निधि (पीएफ) के स्थानांतरण में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए 'एनेक्सचर-के' (ट्रांसफर सर्टिफिकेट) को भी अब ऑनलाइन डाउनलोड करने योग्य बना दिया गया है। अब तक कर्मचारी के नौकरी बदलने पर यह सर्टिफिकेट केवल पीएफ कार्यालयों के बीच साझा होता था और अंशधारक को अनुरोध करने पर ही मिलता था। लेकिन नई व्यवस्था में सदस्य सीधे पीडीएफ फॉर्मेट में इसे डाउनलोड कर सकेंगे और अपने खाते में मौजूद राशि एवं सेवा अवधि के सही ब्योरे की पुष्टि कर पाएंगे। उन्होंने बताया कि यह सुविधा न सिर्फ पारदर्शिता बढ़ाएगी बल्कि कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) से जुड़े लाभों के लिए स्थायी डिजिटल रिकॉर्ड भी उपलब्ध कराएगी। ईपीएफओ ने सेवा वितरण को तेज करने के लिए मंजूरी प्रक्रिया में भी सुधार किया है। अब तक स्थानांतरण, निपटान, अग्रिम राशि, रिफंड जैसी विभिन्न सेवाओं के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की स्वीकृति जरूरी होने से देरी होती थी। लेकिन नई व्यवस्था में यह अधिकार सहायक आयुक्तों और निचले स्तर तक क्रमबद्ध ढंग से सौंपा गया है।

# निर्वाचन आयोग मतदाता सूची से मतदाताओं के नाम हटाने पर सीआईडी से सहयोग करने में विफल : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाये जाने के कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरोप का बृहस्पतिवार को समर्थन करते हुए आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग (ईसी) कर्नाटक सरकार के आदेश से की जा रही सीआईडी जांच में सहयोग करने में विफल रहा है। शिवकुमार ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''राहुल गांधी ने जो कहा है वह सच है। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। उन्होंने सच कहा है।'' कुछ लोगों ने गलत फोन नंबर देकर कुछ मतदाताओं के नाम हटाने की कोशिश की। शिवकुमार ने कहा, ''वे (अज्ञात धोखेबाज) बहुत बड़ी संख्या में वोट हटाना चाहते थे। आखिरकार हमें इसका पता चल गया।''

उपमुख्यमंत्री के अनुसार, कर्नाटक के अपराध जांच विभाग (सीआईडी) को इस मामले की जांच का जिम्मा सौंपा गया है तथा वह मतदाताओं के नाम हटाने के लिए इस्तेमाल किये गये फोन नंबरों की जानकारी मांग रहा है। शिवकुमार ने आरोप लगाया, ''सीआईडी ने निर्वाचन आयोग से अनुरोध किया था, लेकिन वह सहयोग नहीं कर रहा है।'' उन्होंने आगाह किया कि के आर पुरम में भी ऐसी ही घटनाएं हुई हैं तथा जब तक निर्वाचन आयोग जांच में सहयोग नहीं करता है, सीआईडी आगे नहीं बढ़ सकती। उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी ने जो कहा है वह सच है। हमें कुछ कठोर कदम उठाने होंगे। मेरे मुख्यमंत्री भी जानते हैं।''

बेंगलूरु की खराब सड़कों और आईटी कंपनियों की शिकायतों के मुद्दे पर, शिवकुमार ने कहा कि सरकार राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप में उलझने के बजाय समाधान खोजने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, ''हम समस्या का समाधान करने के लिए हैं। मैंने आईटी मंत्री से पूछा है... देश के हर हिस्से में यह समस्या बनी हुई है। केवल मैसूरु ही शोर मचा रहा है।''

शिवकुमार की यह प्रतिक्रिया ऑनलाइन ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म 'ब्लैकबक' के सह-संस्थापक और सीईओ राजेश याबाजी द्वारा मंगलवार को दिए गए बयान के बाद आई है।

कंपनी ने आवागमन और सड़क संबंधी बुनियादी ढांचे की समस्याओं का हवाला देते हुए मैसूरु के आउटर रिंग रोड (ओआरआर)' पर बेलंदूर स्थित अपने मौजूदा स्थान को छोड़ने का फैसला किया है। ओआरआर शहर के आईटी कॉरिडोर में से एक है। वहां अक्सर यातायात की भीड़भाड़ होती है।

# 'बड़े पैमाने' पर मतदाताओं के नाम हटाने के लिए फॉर्म सात का 'दुरुपयोग' किया गया : प्रियांक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि वर्ष 2023 के मई में हुए विधानसभा चुनाव से पहले पिछली भाजपा सरकार के दौरान मतदाताओं के नाम 'बड़े पैमाने' पर हटाने के लिए फॉर्म सात का दुरुपयोग किया गया था। उनकी यह टिप्पणी कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उस दावे के बाद आई है जिसमें उन्होंने कर्नाटक का उदाहरण दिया था, जहां चुनाव से पहले पार्टी समर्थकों के नाम मतदाता सूची से व्यवस्थित रूप से हटाए जा रहे थे। फॉर्म सात किसी अन्य व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में शामिल करने पर आपत्ति जताने, अपना नाम हटाने, या मृत्यु या स्थान परिवर्तन के कारण मतदाता सूची में किसी अन्य व्यक्ति का नाम हटाने का अनुरोध करने के लिए एक आवेदन पत्र है। इससे पहले, नयी दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर 'वोट चोरों' और लोकतंत्र को नष्ट करने वाले लोगों को बचाने का आरोप लगाया।

राहुल ने अपने दावे के समर्थन में कर्नाटक के आलंद विधानसभा क्षेत्र के आंकड़ों का हवाला दिया और कहा कि चुनाव से पहले कांग्रेस समर्थकों के वोट व्यवस्थित रूप से हटाए जा रहे थे। उन्होंने कहा कि आलंद क्षेत्र में किसी ने 6,018 वोटों को हटाने का प्रयास किया और संयोगवश वह पकड़ा गया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के मतदाताओं के नाम व्यवस्थित तरीके से हटाए जा रहे हैं। खरगे ने

कहा, आलंद (कलबुर्गी जिले में) में वोट चोरी का मामला बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाने का एक स्तब्ध करने वाला मामला है। मई 2023 में हुए विधानसभा चुनाव से पहले, भाजपा सरकार के कार्यकाल में फॉर्म सात का दुरुपयोग करके बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाए गए।

'एक्स' पर एक पोस्ट में उन्होंने दावा किया कि स्वचालित सॉफ्टवेयर और फर्जी लॉगिन का उपयोग करके कुल 6,018 मतदाताओं के नाम हटाने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा, सत्यापन से पता चला कि 5,994 फर्जी मतदाता थे, जबकि असली मतदाता केवल 24 थे। धोखाधड़ी पकड़े जाने से पहले ही 2,494 मतदाताओं के नाम हटा दिए गए थे। कांग्रेस के मजबूत बूथों (खासकर दलित और अल्पसंख्यक मतदाताओं वाले) को निशाना बनाया गया। खरगे ने कहा कि एक मामले में केवल 14 मिनट में 12 मतदाताओं के नाम हटा दिए गए, जो एक परिष्कृत वोट चोरी फैक्टरी' की ओर इशारा करता है। एक अन्य मामले में 12 मतदाताओं के नाम हटाने के लिए एक 63 वर्षीय महिला की पहचान का दुरुपयोग किया गया।

उन्होंने कहा कि मामले की जांच कर रही कर्नाटक सरकार की सीआईडी ने भारत निर्वाचन आयोग को आईपी लॉग, ओटीपी ट्रेल्स, डिवाइस आईडी और लॉगिन विवरण मांगते हुए 18 पत्र भेजे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग ने महत्वपूर्ण डेटा साझा करने से इनकार कर दिया है।

मंत्री ने कहा कि इससे गंभीर सवाल उठते हैं। उन्होंने पूछा, ''इन हटाए गए रिकॉर्ड को किसने मंजूरी दी? 'ओटीपी ऑडिट ट्रेल' कहां है? हटाए गए मतदाताओं को कब बहाल किया जाएगा? निर्वाचन आयोग सीआईडी के साथ सहयोग करने से क्यों इनकार कर रहा है? निर्वाचन आयोग किसे बचाने की कोशिश कर रहा है?'' उन्होंने यह भी जानना चाहा कि जब धोखाधड़ी इतनी स्पष्ट है, तो निर्वाचन आयोग और किस सबूत का इंतजार कर रहा है? वे किसे बचा रहे हैं?

# कर्नाटक में मवेशियों का वध करने और अवशेष जंगल में फेंकने के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कारवार। उत्तर कन्नड़ जिले के भटकल कस्बे में मवेशियों का वध करने के बाद उनके अवशेष मुगम कॉलोनी के पास वन क्षेत्र में फेंकने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

भटकल के उप वन क्षेत्र अधिकारी मारुति की शिकायत पर 11 सितंबर को मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ अज्ञात लोग वन भूमि में जबरन घुस आए और उन्होंने किसी अन्य स्थान पर मवेशियों का वध करने के बाद उनकी खाल, हड्डियां व अन्य अवशेष यहां फेंक दिए।

पुलिस ने बताया कि मामले में कर्नाटक पशु वध निवारण एवं संरक्षण अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

जांच के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया था और बुधवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि अपराध में कथित रूप से प्रयुक्त वाहन को भी जब्त कर लिया गया है। आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

## सम्मान

बेंगलूरु में गुरुवार को प्रेस क्लब में आयोजित एक मीडिया संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के कानूनी सलाहकार एएस पोन्नन्ना का अभिनंदन प्रेस क्लब के महासचिव शिवकुमार बेलितथट्टे, उपाध्यक्ष बीएन मोहन कुमार, समिति सदस्य यासिर मुश्ताक, सीआर मंजूनाथ आदि ने किया।

# ओडुरहल्ली रेलवे स्टेशन यार्ड में आपदा तैयारी पर संयुक्त मॉक अभ्यास आयोजित

बेंगलूरु। गुरुवार को ओडुरहल्ली यार्ड में राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की 10वीं बटालियन और विभिन्न प्रमुख हितधारकों के साथ एक पूर्ण मॉक अभ्यास सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस मॉक अभ्यास का उद्देश्य रेल दुर्घटना की स्थिति में एजेंसियों के बीच तैयारी और समन्वय को बढ़ाना था। इस अभ्यास के दौरान, एक नकली दुर्घटना परिदृश्य का मंचन किया गया जिसमें एक डिब्बा पटरी से उतर गया और दूसरा पलट गया। एक आपातकालीन सायरन बजाया गया और नियंत्रण कार्यालय के माध्यम से दुर्घटना की सूचना प्रेषित की गई। विभिन्न एजेंसियों के बचाव दल तुरंत घटनास्थल पर पहुँचे और समन्वित बचाव अभियान शुरू किया।

10वीं बटालियन के उप कमांडेंट दिलबाग सिंह के नेतृत्व में एनडीआरएफ टीम ने 27 बचावकर्मियों के साथ इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया। अन्य हितधारकों में राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), होमगार्ड, नागरिक सुरक्षा, अग्निशमन सेवा, सरकारी अस्पताल, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के कर्मी और चिकित्सा, कैरिज एंड वैगन, सिग्नल, इलेक्ट्रिकल, आरपीएफ, संचालन और वाणिज्यिक विभागों के रेलवे कर्मचारी शामिल थे। नकली परिदृश्य के हिस्से के रूप में, टीमों ने अंदर फंसे यात्रियों को सुरक्षित रूप से बाहर निकालने के लिए कोचों की छत, वेस्टिब्यूल और खिड़कियों को काटने के लिए विशेष उपकरणों का उपयोग किया। इसके अतिरिक्त, चिकित्सा दल ने प्राथमिक उपचार देने और घायलों को उनकी चोटों की गंभीरता के आधार पर अस्पतालों में स्थानांतरित करने की प्रक्रियाओं का प्रदर्शन किया।

इस अभ्यास की देखरेख दक्षिण पश्चिम रेलवे के प्रधान मुख्य सुरक्षा अधिकारी एम. रामकृष्ण ने की। मॉक ड्रिल के समापन के बाद बोलते हुए, रामकृष्ण ने सुव्यवस्थित बचाव कार्यों पर संतोष व्यक्त किया और इस तरह के तैयारी अभ्यासों के महत्व पर बल दिया। उन्होंने बेहतर आपदा प्रबंधन के लिए प्रत्येक जिले में आपदा मित्र की आवश्यकता पर बल दिया, जो प्रतिक्रियाकर्ताओं की पहली पंक्ति के रूप में कार्य कर सकते हैं और अधिक जन भागीदारी को प्रोत्साहित कर सकते हैं।

# सत्य साईं ग्राम में नवरात्रि तथा अति रुद्र महायज्ञ 22 से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुद्देनहल्ली। यहां के सत्य साईं ग्राम में सद्गुरु श्री मधुसूदन साईं के सान्निध्य में चल रहे 'वन वर्ल्ड वन फैमिली' विश्व सांस्कृतिक महोत्सव कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथिगण कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री व पूर्व केन्द्रीय मंत्री डीवी सदानंद गौड़ा और खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री केएच मुनियप्पा उपस्थित थे। अतिथियों का सम्मान किया गया। यहां 23 नवम्बर तक आयोजित होने वाला यह उत्सव सम्पूर्ण विश्व के आध्यात्मिक नेता, मानवतावादी, गणमान्य जन, कलाकार तथा दर्शक एक विश्व, एक परिवार' के रूप में एकत्र हुए हैं। वन वर्ल्ड वन फैमिली मिशन' करुणा को क्रियाशीलता में परिवर्तित करते हुए, विश्व भर के समुदायों को जीवन रक्षक पोषण, स्वास्थ्य देखभाल एवं शिक्षा पूर्णतः नि:शुल्क प्रदान कर रहा है।

यह क्रियाशील करुणा अनेक रूपों में प्रकट होती है, जिनमें शल्यचिकित्सा एवं जीवनरक्षक शल्यचिकित्साएँ तथा औषधियाँ, चिकित्सा एवं परामर्श, चलित सहायता उपकरण, नवजात शिशु संरक्षण उपकरण, तथा सतत वृद्ध देखभाल; भोजन का वितरण, राशन किट तथा मासिक खाद्य

सामग्री; विश्वविद्यालय छात्रवृत्तियाँ तथा शुल्क सहायता, विद्यालयीन सामग्री की आपूर्ति एवं गणवेश, मूल्य आधारित शिक्षा, दिवा-देखभाल सहायता, तथा सामुदायिक रक्तदान अभियान सम्मिलित हैं।

आगामी 22 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सत्य साई ग्राम में आयोजित होने वाले नवरात्रि तथा अति रुद्र महायज्ञ उत्सव सनातन धर्म की गहन आध्यात्मिक अभिव्यक्ति को प्रस्तुत करेंगे।

# अपहरण, हत्या के मामले में व्यापारी से पूछताछ

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। यहां के बागलगुंटे पुलिस थाना क्षेत्र में एक व्यापारी ने दूसरे व्यापारी की हत्या करने की कोशिश की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। नेमाराम नामक एक कपड़ा व्यापारी ने इसकी शिकायत पुलिस को की है। बागलगुंटे के मुद्दन्ना लेआउट में हैप्पी टैक्सटाइल्स नामक एक कपड़े की दुकान नेमाराम गत 20 वर्षों से चला रहे हैं।

वहीं उनके पास गत सात साल से वेनाराम नामक एक अन्य व्यापारी ने कपड़े की दुकान मारुति फैशन्स के नाम से खोली। समय बीतता गया नेमा राम की दुकान अच्छे से चल रही है और वहीं वेनाराम को यह सब देखकर काफी जलन हो रही थी। उन्होंने नेमाराम का दुष्प्रचार करना शुरु किया। उन्होंने ग्राहकों को वेनाराम के यहां न जाने की बात कही। इन सब बातों के बाद भी नेमाराम ने बात को नजरंदाज कर दिया।

गत 9 जुलाई को रात के समय नेमाराम अपनी दुकान बंद कर घर की ओर जा रहा था तभी रास्ते में दो मोटर साइकिल पर सवार लोगों ने उस पर जानलेवा हमला कर दिया।

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
(निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
प्लांट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज,
पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058
फोन : 080-28094541, 4186

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

1. भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समुचित वर्ग के ठेकेदरों से एनआईटी में निम्नलिखित कार्यों के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित किया जाता है।

| | |
|---|---|
| ई-निविदा सूचना सं | इस्ट्रैक/सीएमजी/इ/सीओएन/ई-निविदा-41 /2025-26 दिनांक 18.09.2025 |
| कार्य का नाम | एससीसी, इस्ट्रैक, बेंगलूरु में सब-स्टेशन का उन्नयन, सामान्य आपूर्ति एमवी सहायक पैनलों का प्रतिस्थापन और संवर्धन (दूसरा कॉल) |
| निविदा का अनुमानित मूल्य | रु. 26.44 लाख |
| निविदा दस्तावेज विवरण | ई-निविदा |
| कार्य समापन अवधि | 04 (चार) माह |
| निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि | 19.09.2025 को 16.00 बजे से 04.10.2025 को 16.00 बजे तक |
| बोली स्पष्टीकरण | 20.09.2025 को 11.00 बजे से 07.10.2025 को 16.00 बजे तक |
| बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख | 08.10.2025 को 16.00 बजे तक |
| निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय | 09.10.2025 को 16.00 बजे तक |
| निविदा खोलने की नियत तारीख और समय | 10.10.2025 को 11.00 बजे से |
| अग्रदाय रकम जमा (ईएमडी) | रु. 52,880/- |

2. पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे के लिए इच्छुक निविदाकार विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा(एनआईटी) देखे जिसे वेबसाइट www.isro.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। बोली प्रपत्र औप अन्य ब्यौरे वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

ह/- समूह प्रमुख-सीएमजी

# मैसूरु दशहरा में बानू मुश्ताक को आमंत्रित करने के खिलाफ याचिका पर उच्चतम न्यायालय सुनवाई करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने उस याचिका पर सुनवाई के लिए बृहस्पतिवार को सहमति जताई जिसमें इस वर्ष मैसूरु दशहरा के उद्घाटन के लिए अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार विजेता बानू मुश्ताक को आमंत्रित करने के कर्नाटक सरकार के फैसले को चुनौती दी गई है। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की अध्यक्षता वाली पीठ से आग्रह किया गया कि यह उत्सव 22 सितंबर से शुरू हो रहा है, इसलिए मामले की तत्काल सुनवाई आवश्यक है। याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी, कर्नाटक के मैसूरु मंदिर में 22 सितंबर को एक गैर-हिंदू को अग्रेश्वरी पूजा करने की अनुमति दी गई है। कृपया मामले को शीघ्र सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाए। इस पर प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ठीक है।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मैसूरु दशहरा उत्सव के उद्घाटन के लिए मुश्ताक को आमंत्रित करने के राज्य सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं को 15 सितंबर को खारिज कर दिया था। उच्च न्यायालय ने मैसूरु से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व सांसद प्रताप सिम्हा द्वारा दायर एक याचिका सहित चार जनहित याचिकाओं पर विचार करने से इनकार कर दिया और कहा कि याचिकाकर्ता किसी भी संवैधानिक या कानूनी उल्लंघन को साबित करने में विफल रहे।

इसके खिलाफ एचएस गौरव ने शीर्ष अदालत में अपील दायर कर उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई, जिसमें 22 सितंबर 2025 को होने वाले दशहरा उत्सव के उद्घाटन के लिए एक मुस्लिम महिला गणमान्य बानू मुश्ताक को आमंत्रित करने के राज्य सरकार के फैसले को बरकरार रखा गया था। इस याचिका में उच्च न्यायालय के तर्क को चुनौती देते हुए कहा गया कि चामुंडेश्वरी मंदिर में चामुंडी पहाड़ी पर होने वाले दशहरा के अनुष्ठान के रीति-रिवाज प्रतीकात्मक नहीं है, बल्कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत संरक्षित एक आवश्यक धार्मिक प्रथा है। इस परंपरा के तहत देवी चामुंडेश्वरी के गर्भगृह के समक्ष दीप प्रज्वलित किया जाता है, हल्दी व कुमकुम लगाया जाता है, फल और फूल चढ़ाए जाते हैं। याचिका के अनुसार, ये हिंदू पूजा के कार्य हैं जो आगमिक परंपराओं द्वारा निर्धारित होते हैं, और इन्हें कोई गैर-हिंदू नहीं कर सकता।

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि पूजा हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार की जानी चाहिए और यह पूजा दशहरा उत्सव के पारंपरिक दस दिवसीय समारोह का उद्घाटन है।

न्यायालय ने कहा, उच्च न्यायालय ने यह समझने में गलती की कि कर्नाटक सरकार द्वारा आमंत्रित मुख्य अतिथि बानू मुश्ताक मुस्लिम समुदाय से हैं, इसलिए वह गैर-हिंदू हैं। ऐसे में वह देवता के सामने पूजा-पाठ नहीं कर सकतीं, क्योंकि यह स्थापित हिंदू धार्मिक और समारोह से जुड़ी प्रथाओं के खिलाफ है। उच्च न्यायालय की पीठ ने कहा था, हम यह मानने को तैयार नहीं हैं कि यदि किसी अन्य धर्म का व्यक्ति राज्य द्वारा आयोजित किसी समारोह का उद्घाटन करे, तो इससे याचिकाकर्ताओं के किसी कानूनी या संवैधानिक अधिकार अथवा संविधान में निहित किसी भी मूल्य का उल्लंघन होगा। अतः याचिकाएं खारिज की जाती हैं।

मैसूरु जिला प्रशासन ने तीन सितंबर को, विपक्षी भाजपा सहित कुछ वर्गों की आपत्तियों के बावजूद, मुश्ताक को औपचारिक रूप से आमंत्रित किया था। यह विवाद बानू मुश्ताक द्वारा अतीत में दिए गए कुछ बयानों को लेकर खड़ा हुआ है, जिन्हें कुछ लोग 'हिंदू विरोधी' और 'कन्नड़ विरोधी' मानते हैं। प्रताप सिम्हा और अन्य आलोचकों का तर्क है कि यह उत्सव परंपरागत रूप से वैदिक अनुष्ठानों और देवी चामुंडेश्वरी को पुष्पांजलि अर्पित करके शुरू होता है, ऐसे में मुश्ताक का चयन, धार्मिक भावनाओं और लंबे समय से चली आ रही परंपराओं का अनादर है। मैसूरु में दशहरा उत्सव 22 सितंबर से शुरू होकर दो अक्टूबर को विजयादशमी पर समाप्त होगा। पारंपरिक रूप से, चामुंडेश्वरी मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मैसुरु और उसके राजघराने की आराध्य देवी चामुंडेश्वरी की मूर्ति पर पुष्पवर्षा करके दशहरा उत्सव की शुरुआत की जाती है।

# केमिस्टों ने करोड़ों रुपये के बकाया भुगतान को लेकर हड़ताल की धमकी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के दवा विक्रेताओं (केमिस्टों) ने राजस्थान सरकार स्वास्थ्य योजना (आरजीएचएस) में कथित अनियमितताओं के खिलाफ और बकाया भुगतान की मांग को लेकर हड़ताल पर जाने की धमकी दी है। इनकी केमिस्ट एसोसिएशन ने दावा किया है कि लगभग 880 करोड़ रुपये का भुगतान लंबित है और योजना के पोर्टल से तीन लाख से ज़्यादा बिल गायब हो गए हैं। राजस्थान केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष विवेक विजयवर्गीय ने कहा, बार-बार अनुरोध के बावजूद राज्य सरकार ने इस मुद्दे को सुलझाने के लिए कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया है। केमिस्टों ने मौजूदा हालात में सरकार पर दबाव बनाने के लिए हड़ताल पर जाने का फैसला किया है। उन्होंने आगे कहा, केमिस्टों को आर्थिक नुकसान हो रहा है। एसोसिएशन के उपाध्यक्ष सचिन गोयल और सचिव रवि गुप्ता ने घोषणा की कि इसके खिलाफ जल्द ही राज्यव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकारी अधिकारियों द्वारा 21 दिनों के भीतर बकाया राशि के भुगतान का आश्वासन दिए जाने के बावजूद इसमें कथित तौर पर छह से सात महीने की देरी हो रही है। उन्होंने आगे कहा, विभागीय अधिकारियों और तृतीय-पक्ष प्रशासक (टीपीए) की मनमानी के कारण 880 करोड़ रुपये का बकाया अटका हुआ है। आरजीएचएस पोर्टल से तीन लाख से ज़्यादा बिल गायब हो गए हैं और अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं मिली है। विजयवर्गीय ने दावा किया कि कई केमिस्ट अपने बच्चों की स्कूल फीस नहीं भर पा रहे हैं और बढ़ते कर्ज और वित्तीय दबाव के कारण कई दुकानें बंद होने के कगार पर हैं। उन्होंने कहा, राजस्थान भर में 5,000 से ज़्यादा केमिस्ट परिवार न्याय के लिए लड़ रहे हैं।

## देवनानी ने अजमेर में तेंदुआ सफारी परियोजना की नींव रखी

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अजमेर के काजीपुरा स्थित गंगा भैरव घाटी में बुधवार को तेंदुआ सफारी परियोजना के विभिन्न कार्यों की आधारशिला रखी। इस अवसर पर देवनानी ने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देगी और स्थानीय निवासियों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेगी। उन्होंने कहा कि यह पहल क्षेत्र की प्राकृतिक और ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित करते हुए अजमेर में 'ईको-टूरिज्म' को बढ़ावा देगी। लगभग 19 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना में 7.5 किलोमीटर पुराने रास्ते का पुनर्विकास और 11.5 किलोमीटर लंबे नए रास्ते का निर्माण शामिल है। इस सफारी में विश्राम स्थल, सेल्फी स्पॉट और अन्य पर्यटक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। देवनानी ने कहा कि तेंदुआ सफारी अजमेर को रणथंभौर और सरिस्का जैसे स्थलों के साथ स्थापित करेगी।

# शिविरों के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास एवं सुशासन की पहुंच हुई सुनिश्चित : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने गुरुवार को पंचायत समिति केरू की ग्राम पंचायत बड़ली में ग्रामीण सेवा शिविर का अवलोकन किया। पटेल ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्मदिवस को सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाया जा रहा है। इस पखवाड़े के तहत आयोजित होने वाले ग्रामीण सेवा शिविर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के सिद्धांत को धरातल पर उतारने के प्रयासों का हिस्सा हैं। इन शिविरों के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास एवं सुशासन की पहुंच सुनिश्चित हुई है।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा ग्रामीण सेवा शिविरों के माध्यम से केन्द्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक जरूरतमंद तक पहुंचाया जाएगा। शिविरों में रास्ते खोलना, आपसी सहमति से विभाजन एवं नामान्तकरण,लम्बित नोटिसों की तामीली एवं फार्मर रजिस्ट्री संबंधी कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मूल निवास, जाति प्रमाण-पत्र एवं स्वामित्व योजना के तहत स्वामित्व पट्टा वितरण और किसान गिरदावरी एप द्वारा गिरदावरी की जा रही है।

पटेल ने कहा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीबी मुक्त भारत अभियान से जुड़े कार्य और पीएमजेएवाई कार्ड का वितरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, पालनहार योजना और मुख्यमंत्री घुमंतू आवास योजना जैसी योजनाओं के लंबित प्रकरणों का निस्तारण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना के तहत 10 हजार और गांवों का बीपीएल सर्वे किया जा रहा है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा सभी ग्रामवासी इन शिविरों का अधिकाधिक लाभ लें एवं आस-पड़ोस के लोगों को भी प्रेरित करें। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से भी आह्वान किया कि वे इन शिविरों में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं।

शिविर में संसदीय कार्य मंत्री ने फॉर्मर रजिस्ट्री के लक्ष्य शत प्रतिशत प्राप्त करने, एनएफएसए के तहत शत प्रतिशत ई- केवाईसी करने और बड़ली में स्वीकृत जीएसएस के लिए भूमि आवंटन के संबंध में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने शिविर में विभिन्न विभागों की स्टॉल्स का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों से योजनाओं और उनकी क्रियान्विति के संबंध में सम्पूर्ण जानकारी ली। उन्होंने मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत लाभार्थी श्रीमती नम्रता और विशना देवी को पॉलिसी वितरित की । टीबी मुक्त भारत के तहत पोषण किट का वितरण किया गया। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान और हरियालो राजस्थान के तहत कार्यक्रम स्थल पर पौधारोपण किया। तहसीलदार जोधपुर कृष्णपाल सिंह ने बताया कि राजस्व विभाग द्वारा शिविर में काश्तकारों के शुद्धि पत्र के 10 प्रकरण, सहमति से विभाजन का 1 प्रकरण, रास्ते के 2 प्रकरण,नामांतरण के 10 प्रकरणों पर आवश्यक कार्यवाही कर राहत प्रदान की गई।

## बिरला की पहल पर कोटा में नमो टॉय बैंक की स्थापना

कोटा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की पहल पर गुरुवार को राजस्थान में कोटा में नमो टॉय बैंक की स्थापना की गयी। कोटा के स्कूली बच्चों ने अपने हजारों खिलौने जरूरतमंद बच्चों के लिए दान में दिये हैं। इस टॉय बैंक का संचालन बच्चे ही करेंगे। इस अवसर पर बिरला ने कहा यह टॉय बैंक हर वंचित बच्चे की आंखों में खुशी और उम्मीद की चमक भर देगा। इससे बच्चों में समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना जागृत होगी। यह पहल मासूम चेहरों पर मुस्कान लौटायेगी।

## कक्षा में मोबाइल का इस्तेमाल करने पर शिक्षक को निलम्बित करने के निर्देश

कोटा। राजस्थान के शिक्षा एवं पंचायत राज मंत्री मदन दिलावर ने कोटा में एक विद्यालय में पढ़ाई के दौरान शिक्षक द्वारा मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने पर निलम्बित करने के निर्देश दिये हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि दिलावर ने गुरुवार को कोटा शहर के पीएम बालिका स्कूल श्रीपुरा, चित्तौड़ा का नोहरा बृजराजपुरा और महावीर नगर थर्ड विद्यालयों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने एक विद्यालय में मोबाइल फोन का उपयोग करते हुए शिक्षकों को देखा। इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए शिक्षकों के मोबाइल फोन जब्त करके मुख्य खंड शिक्षा अधिकारी (सीबीईओ) पवित्रा त्रिपाठी को दे दिये। उन्होंने फोन पर बात करते मिले शिक्षक को निलंबित करने के निर्देश दिये हैं। दिलावर ने पहले ही निर्दश दिये हुये हैं कि शिक्षक विद्यालय में पढ़ाई कराते समय मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करेंगे। निरीक्षण के बाद एक प्रधानाचार्य को कारण बताओ नोटिस भी दिया गया है।

## भाजपा को मानगढ़ धाम के इतिहास को हटाने के मामले में आदिवासी समाज से मांगनी चाहिए माफी : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मांग करते हुए कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को चौथी कक्षा की किताब से मानगढ़ धाम के इतिहास को हटाने के मामले में आदिवासी समाज से माफी मांगनी चाहिए एवं इस समाज की वीरगाथाओं एवं मानगढ़ धाम के इतिहास को पुनः अविलंब पाठ्यक्रम में जोड़ना चाहिए।गहलोत ने गुरुवार को अपने बयान में आरोप लगाते हुए कहा कि जब से भाजपा सरकार में आई है तब से आदिवासियों के योगदान को हर जगह कमतर दिखाने का प्रयास करती रही है। आदिवासी अस्मिता को लेकर भाजपा की तुच्छ मानसिकता का यह परिचायक है कि चौथी कक्षा की किताब से मानगढ़ धाम के इतिहास को हटाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि इससे पहले शिक्षा की अलख जगाने वाली वीर कालीबाई का पाठ हटा दिया गया था। भाजपा ने ठान लिया है कि वह आदिवासियों का बलिदान, उनकी गाथाएं लोगों की स्मृतियों से हटा कर ही मानेगी लेकिन आदिवासी समाज का बलिदान इतना कमजोर नहीं है कि उसे किताबों से हटा कर भुलाया जा सके।

# स्वच्छता से ही बढ़ेगा पर्यटन : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने स्वच्छ भारत और लोकल फॉर वोकल पर अपनी प्रतिबद्धता जताते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'स्वच्छ भारत मिशन' और 'प्लास्टिक मुक्त भारत' की पहल अब एक जनआंदोलन का रूप ले चुकी है और यह अभियान न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहायक है बल्कि पर्यटन को भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य कर रहा है। दीया कुमारी गुरुवार को यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिन के उपलक्ष्य पर 17 सितम्बर से दो अक्टूबर तक चल रहे 'सेवा पखवाड़ा' के तहत विश्व प्रसिद्ध जंतर मंतर पर पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित स्वच्छता अभियान में सहभागिता कर लोगों को स्वच्छता का संदेश देते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री उन्होंने कहा कि पर्यटक तभी आकर्षित होंगे जब हमारे शहर, स्मारक और सार्वजनिक स्थल स्वच्छ एवं प्रेरणादायी होंगे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री समय-समय पर जनता से 'लोकल फॉर वोकल' का आह्वान करते रहे हैं और हमें अपने देश में बने उत्पादों को प्राथमिकता देनी चाहिए ताकि न केवल देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले बल्कि आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को भी साकार किया जा सके। उपमुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से स्वच्छता को केवल एक अभियान न मानकर इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपीलकरते हुए कहा कि जंतर मंतर जैसी वैश्विक धरोहर की सफाई में शामिल होकर यह अनुभव और गहरा हुआ कि जब हम अपने परिवेश की चिंता करते हैं, तभी हम वास्तव में देश की प्रगति में सहभागी बनते हैं।

इस दौरान श्रीमती दीया कुमारी ने स्वच्छता कर्मचारियों का सम्मान कर उनका उत्साहवर्धन किया और उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि सवच्छता अभियान में सभी कर्मचारी अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभा रहे है। उन्होंने बताया कि प्रदेशभर में ऐतिहासिक धरोहरों, पर्यटन स्थलों और सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता एवं जागरूकता कार्यक्रम लगातार चलाए जा रहे हैं। इस अवसर पर पर्यटन सचिव राजेश यादव, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में आमजन ने भी भाग लिया और स्वच्छता का संदेश दिया।

## वाहन मेज नदी में गिरा, तलाशी अभियान जारी

कोटा। राजस्थान के बूंदी जिले में कोटा-लालसोट हाईवे पर बुधवार शाम एक स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) के एक पुल से मेज नदी में गिर जाने की आशंका है। यह जानकारी पुलिस के एक अधिकारी ने दी। अधिकारी ने बताया कि पांच साल पहले इसी स्थान पर एक निजी बस भी इसी तरह दुर्घटनाग्रस्त हुई थी। बूंदी के पुलिस अधीक्षक राजेंद्र कुमार मीणा के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि चार पहिया वाहन शाम करीब 7.15 बजे पापड़ी पुल से नदी में गिर गया और आशंका है कि वाहन तेज बहाव में बह गया। मीणा के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि वाहन में लगभग चार से पांच लोग सवार थे।

राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल का एक दस्ता मौके पर पहुंच गया है और तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है, लेकिन नदी में पानी का बहाव इतना तेज है कि तलाशी अभियान में मुश्किल आ रही है। उन्होंने बताया कि 26 फ़रवरी, 2020 को कम से कम 31 लोगों को ले जा रही एक निजी यात्री बस पापड़ी पुल से नदी में गिर गई थी, जिसमें 24 यात्रियों की मौत हो गई थी। मौके पर मौजूद लाखेरी थाने के प्रभारी सुभाष शर्मा ने कहा, एसयूवी का अभी तक पता नहीं चल पाया है और न ही उसमें सवार लोगों की संख्या का पता लगाया जा सका है।

# प्रदेश सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ हर समस्या का कर रही समाधान : जोगाराम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने गुरुवार को ग्राम पंचायत सांगरिया में सीवरेज के गंदे पानी की निकासी की वैकल्पिक व्यवस्था का जायजा लिया। पटेल ने कहा मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ हर समस्या का समाधान कर रही है। उन्होंने कहा सांगरिया में सीवरेज के पानी की त्वरित निकास से आमजन को राहत मिली है। उन्होंने कहा नगर निगम द्वारा अस्थाई एवं त्वरित समाधान के लिए हेलीपेड सर्किल से कुड़ी नाले में आवश्यक संसाधन लगाकर गंदे पानी की निकासी की जा रही है और सांगरिया की भावी आवश्यकता को ध्यान में रखकर डीपीआर भी बनाई जा रही है।

संसदीय कार्य मंत्री ने दूरभाष पर नगर निगम आयुक्त सिद्धार्थ पालानीचामी को गंदे पानी के कारण मच्छरों से बीमारियां फैलने की आशंका के मद्देनजर क्षेत्र में फॉगिंग करने के निर्देश दिए। संसदीय कार्य मंत्री ने हेलीपेड सर्किल विवेक विहार स्थित सरस मिनी बूथ पर जनसुनवाई की और चाय का आनंद लिया।

इस दौरान उन्होंने यूपीआई के माध्यम से डिजिटल पेमेंट कर डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा डबल इंजन की सरकार द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार प्रोत्साहन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना से छोटे व्यापारियों एवं बेरोजगार युवाओं को सब्सिडी एवं कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध करवाकर उनका आर्थिक सशक्तिकरण सुनिश्चित किया जा रहा है।

सरपंच सांगरिया तेजाराम चौधरी ने कहा 14 सितम्बर को माननीय मंत्री जोगाराम पटेल ने जिला कलक्टर और नगर निगम आयुक्त को मौके पर बुलाकर ग्रामवासियों को आश्वाशन दिया था कि आज ही गंदे पानी की निकासी सुनिश्चित की जाएगी। उसी दिन वैकल्पिक व्यवस्था के माध्यम सीवरेज के गंदे पानी का निकासी शुरू हो गई। इसलिए आज ग्रामवासियों के एक प्रतिनिधि मंडल द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

## वाणिज्यिक कर विभाग की बड़ी कार्रवाई कर 9 करोड़ 59 लाख की जीएसटी चोरी पकड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य में बोगस, फेक फर्मों द्वारा की जा रही राजस्व क्षति रोकने के लिए राज्य कर विभाग सर्तक है। विभाग के मुख्य आयुक्त कुमार पाल गौतम के निर्देशन में इस सम्बंध निरन्तर की जा रही कार्रवाई की कड़ी में प्रवर्तन शाखा प्रथम की टीम ने जयपुर स्थित विश्वकर्मा इण्डस्ट्रियल एरिया में आयरन एवं स्क्रेप का कागजी कारोबार करने वाली दो फर्मों बाबा मैटल्स तथा खण्डेलवाल एण्टरप्राईजेज पर एक साथ सर्च और सर्वे की कार्रवाई की।

मास्टरमाइंड को गिरफ्तार कर 29 सितम्बर तक के लिए न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। मुख्य आयुक्त ने बताया कि कार्रवाई से पूर्व विभाग ने जीएसटी पोर्टल पर दोनों फर्मो के खरीद फरोख्त संबंधी आंकड़ो का विश्लेषण किया तथा अपने गुप्त स्त्रोतों से इन फर्मो की व्यापारिक गतिविधियों की सूचना जुटाई । इस दौरान पाया गया कि दोनों फर्मो का संचालन मास्टरमाइंड महेन्द्र खण्डेलवाल द्वारा किया जा रहा है। विभागीय जांच में स्पष्ट हुआ कि महेन्द्र खण्डेलवाल द्वारा अपनी दोनों फर्मो में कूटरचित बोगस बिलों के आधार पर कुल 53 करोड़ की खरीद दिखाकर 9 करोड़ 59 लाख रूपये की राजस्व हानि की गई है।

# आगामी दलहन-तिलहन खरीद के लिए आवश्यक तैयारियां करें सुनिश्चित : दक

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि खरीफ-2025 सीजन में समर्थन मूल्य योजना के अंतर्गत आगामी दलहन-तिलहन खरीद के लिए अभी से सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आवश्यकता के अनुरूप खरीद केन्द्रों की संख्या में वृद्धि की जाए, जिससे किसानों को अपना माल तुलवाने में किसी भी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़े।

दक गुरुवार को राजस्थान राज्य सहकारी क्रय-विक्रय संघ (राजफेड) कार्यालय में संस्था से संबंधित गतिविधियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने राजफेड अधिकारियों को निर्देश दिए कि मूंग, मूंगफली, उड़द और सोयाबीन खरीद की प्रक्रिया समयबद्ध रूप से शुरु करने के लिए पूरी तैयारी रखी जाए। एक्टिव पैक्स को खरीद केन्द्रों के रूप में अधिसूचित किया जाए। साथ ही, किसानों की बायोमीट्रिक पहचान की प्रक्रिया को भी इसी माह पूरा कर आगामी खरीद से लागू कर दिया जाए। उन्होंने पिछली खरीद में जिन स्थानों से शिकायतें प्राप्त हुई, वहां पर नया टेंडर करने एवं हैण्डलिंग व परिवहन के टेंडर में नये लोगों को अवसर देने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

## जर्जर मकान गिरने से दो महिलाएं दबीं, एक बुजुर्ग महिला की मौके पर मौत

जयपुर । जयपुर में गुरुवार सुबह एक जर्जर मकान ढह गया, जिससे दो महिलाएं मलबे के नीचे दब गईं। इनमें से एक महिला धन्नीबाई (60) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, दूसरी महिला सुनीता (35) के पैर में फ्रैक्चर और चेहरे पर चोटें आईं। यह घटना सुबह 7 बजे सुभाष चौक थाना क्षेत्र में हुई। परिवार के सदस्यों के अनुसार, बचाव दल को इमारत ढहने के तुरंत बाद दुर्घटना की सूचना मिल गई थी, फिर भी वे दुर्घटना के दो घंटे बाद, लगभग 9 बजे सुबह पहुंचे।

स्थानीय लोगों ने घायल महिलाओं के रिश्तेदार तरुण महावर को फोन कर घटना की जानकारी दी। हादसे के वक्त मकान में रहने वाले दो बच्चे बाहर खेल रहे थे, इसलिए उन्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचा। यह इलाका असुरक्षित और जर्जर इमारतों का केंद्र है। कुछ दिन पहले, सुभाष चौक में एक हवेली ढह गई थी, जिसमें एक पिता और बेटी की मौत हो गई थी। इस दुखद दुर्घटना के बाद, जयपुर नगर निगम द्वारा 48 जर्जर भवनों की सूची तैयार की गई थी। इसके अलावा, किशनपोल क्षेत्र में आठ भवनों को सील करने की भी कार्रवाई की गई थी।

हालांकि, हाल ही में हुई इन मौतों ने पुरानी इमारतों की सुरक्षा के प्रति नगरपालिका की प्रतिक्रिया को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। जिस घर में यह हादसा हुआ, उसमें दो महिलाएं और एक नौकरानी रहती थीं। स्थानीय निवासी प्रताप सिंह और घनश्याम सोनी ने बताया कि मलबे में दबने के बाद सुनीता मदद के लिए चिल्ला रही थी, लेकिन तुरंत कोई मदद नहीं मिली। हवामहल जोन की उपायुक्त सीमा चौधरी ने बताया कि क्षेत्र में सभी जर्जर इमारतों के मालिकों को नोटिस जारी कर दिए गए हैं और सर्वेक्षण भी कराया जा रहा है। लोगों से असुरक्षित इमारतों को खाली करने की घोषणा की गई है।

# जीएसटी सुधार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का देश को दिवाली का तोहफा : मुख्यमंत्री आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**लखनऊ/भाषा।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को हाल में घोषित जीएसटी सुधारों का स्वागत किया और इसे देश की जनता के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ''दिवाली का तोहफा'' बताया।

उन्होंने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''जीएसटी परिषद ने कर छूट और सुधारों की घोषणा की है, जो 22 सितंबर से लागू होंगे। यह प्रधानमंत्री मोदी का लोगों को दिवाली का तोहफा है।'' आदित्यनाथ ने याद दिलाया कि जुलाई 2017 में जीएसटी लागू होने से पहले सभी ईमानदार करदाताओं को प्रतिकूल हालात का सामना करना पड़ता था, क्योंकि कर की दरें और उपकर बहुत अधिक थे और कराधान की कोई एकीकृत प्रणाली नहीं थी। उन्होंने कहा, ''जीएसटी ने इन करों को 'एक राष्ट्र, एक कर' के

सिद्धांत के तहत एकीकृत किया, जिससे जीएसटी पंजीकरण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई और अर्थव्यवस्था को प्रत्यक्ष लाभ हुआ।'' आदित्यनाथ ने कहा कि नए सुधारों ने केवल दो मुख्य कर स्लैब – पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत – के साथ संरचना को सरल बना दिया है, जिससे आम आदमी, किसानों और सभी क्षेत्रों के लोगों को लाभ होगा। मुख्यमंत्री ने कहा, ''इन सुधारों से अर्थव्यवस्था को दो लाख करोड़ रुपए का समर्थन मिलने की उम्मीद है।'' उन्होंने आगे कहा कि दैनिक घरेलू उपयोग की वस्तुओं पर अब शून्य प्रतिशत जीएसटी लगेगा। उन्होंने कहा, ''किसानों के लिए, कृषि उपकरणों पर जीएसटी घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे लागत कम करने और कृषि अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।'' मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि स्वास्थ्य बीमा काफी सस्ता हो जाएगा, दूसरी ओर स्टेशनरी और नोटबुक के सस्ता होने से छात्रों को लाभ होगा।

## शहरी उपभोग आंकड़ों से कहीं ज्यादा मजबूत स्थिति में: मुख्य आर्थिक सलाहकार

**कोलकाता/भाषा।** मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने बृहस्पतिवार को कहा कि भले ही आंकड़ों में शहरी मांग में कमजोरी दिख रही है लेकिन वास्तविकता इससे कहीं बेहतर है। उन्होंने कहा कि यूपीआई के जरिये होने वाले लेनदेन की संख्या और छोटे उद्यमों पर खर्च में बढ़ोतरी उपभोग की मजबूती को दर्शाती है।

नागेश्वरन ने उद्योग मंडल 'मर्चेंट चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री' की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि खर्च का रुझान गैर-सूचीबद्ध कंपनियों और छोटे कारोबारों की तरफ बढ़ा है, जो आंकड़ों में पूरी तरह प्रतिबिंबित नहीं होता है। उन्होंने कहा, ''सतह के स्तर पर भले ही शहरी मांग कमजोर दिखती है, लेकिन वास्तविक उपभोग हमारी सोच से कहीं अधिक टिकाऊ है।'' उन्होंने अपने इस दावे के समर्थन में रेस्तरां, बेकरी एवं उपयोगिता खंडों के भीतर पिछले 13 महीनों में यूपीआई लेनदेन सालाना आधार पर दहाई अंक में बढ़ने का जिक्र भी किया। नागेश्वरन ने बताया कि कर कटौती, जीएसटी रियायतें, रोजगार प्रोत्साहन और कम खाद्य मुद्रास्फीति ने शहरी उपभोग को सहारा दिया है। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा कि ग्रामीण मांग भी वेतन वृद्धि, अधिक फसल बुवाई और ट्रैक्टर एवं दोपहिया वाहनों की मजबूत बिक्री के चलते बेहतर स्थिति में है। सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को बैंक ऋण अच्छे स्तर पर है और पिछले छह साल में पूंजी बाजार से संसाधन जुटाने में 28.5% की वार्षिक वृद्धि हुई है। नागेश्वरन ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.8% की दर से बढ़ी है। समूचे वित्त वर्ष के लिए वृद्धि दर 6.3 से 6.8% के बीच रहने का अनुमान है, जिसमें ऊपरी स्तर तक पहुंचने की उम्मीद है।

## भुवनेश्वर में आवारा कुत्तों की गिनती शुरू

**भुवनेश्वर/भाषा।** भुवनेश्वर महानगर पालिका (बीएमसी) ने बृहस्पतिवार को शहर भर में आवारा कुत्तों की गणना शुरू की है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आवारा कुत्तों की गणना शहर की हर गली और वार्ड में रोजाना सुबह पांच से सात बजे के बीच की जाएगी।

बीएमसी की महापौर सुलोचना दास ने बताया कि श्वान गणना दो चरणों में होगी। पहला चरण 25 सितंबर तक चलेगा जबकि दूसरे चरण में यह जांच की जाएगी कि गिने गए कुत्तों की संख्या सही है या नहीं। उन्होंने बताया कि कुल 410 दल गठित किये गए हैं, जिनमें सफाई कर्मचारी, सफाई पर्यवेक्षक, सफाई निरीक्षक और अन्य अधिकारी शामिल हैं, जो योग्य पशु चिकित्सकों की देखरेख में गणना का कार्य करेंगे। बीएमसी आयुक्त चंचल राणा ने बताया कि शहर के सभी 67 वार्डों में आवारा कुत्तों की गणना की जाएगी। उन्होंने कहा कि शहर में श्वान गणना जरूरी है ताकि उनकी आबादी को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा सकें। उन्होंने कहा कि श्वान गणना पूरी होने के बाद, पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) अभियान के तहत आवारा कुत्तों की आबादी को नियंत्रित करने के लिए एक विस्तृत प्रबंधन योजना तैयार की जाएगी।

## मिजोरम में 102.65 करोड़ रुपए मूल्य की 'मेथामफेटामीन' गोलियां जब्त

**आइजोल/भाषा।** मिजोरम के चम्फाई जिले में भारत-म्यांमा सीमा के पास एक गांव में 102.65 करोड़ रुपए मूल्य की प्रतिबंधित मेथामफेटामीन गोलियां जब्त की गईं। यह जानकारी असम राइफल्स की ओर से बृहस्पतिवार को जारी एक बयान में मिली। मेथामफेटामीन की गोली भारत में प्रतिबंधित है, क्योंकि इसे नशे की लत लगाने वाली उत्तेजक दवा माना जाता है।

अर्धसैनिक बल द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि एक गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए असम राइफल्स के जवानों ने बुधवार को एक अभियान शुरू किया और जोटे गांव में चुनौती दिये जाने के बाद एक संदिग्ध व्यक्ति प्रतिबंधित सामग्री छोड़कर भाग गया। बयान में कहा गया, ''करीब 34.218 किलोग्राम मेथामफेटामीन की गोलियां बरामद की गईं, जिनकी कीमत 102.65 करोड़ रुपए आंकी गई है।'' असम राइफल्स ने बताया कि जब्त की गई प्रतिबंधित सामग्री को बाद में कानूनी कार्यवाही के लिए राज्य के आबकारी एवं मादक पदार्थ विभाग को सौंप दिया गया। असम राइफल्स ने दावा किया कि यह सफल अभियान भारत-म्यांमा सीमा पर मादक पदार्थ नेटवर्क से निपटने और देश के युवाओं को नशे के अभिशाप से बचाने के भी अर्धसैनिक बल के संकल्प को दर्शाता है।

## उप्र में भेड़िये जैसे जानवर के हमले के कारण एक दर्जन गांव में दहशत

**बहराइच (उप्र)/भाषा।** उत्तर प्रदेश के बहराइच ज़िले की कैसरगंज और महसी तहसीलों के एक दर्जन गांवों में भेड़िये जैसे जानवर के बढ़ते कथित हमलों से लोगो में दहशत फैल गयी है। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पिछले 20 दिनों में, ग्यारह हमलों में दो बच्चियों की मौत हो गयी है जबकि नौ अन्य लोग घायल हुए हैं।

अधिकारियों ने जानवरों का पता लगाने और उन्हें पकड़ने के लिए पुलिस, वन अधिकारियों और अन्य राज्यों के विशेषज्ञों सहित 100 से ज़्यादा कर्मियों को तैनात किया है। देवीपाटन मंडल की वन संरक्षक सिमरन एम ने कहा, ''एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है और टीमें थर्मल ड्रोन, नाइट-विज़न कैमरे और कैमरा ट्रैप का इस्तेमाल कर रही हैं। इस बीच, ग्रामीणों ने लाठियों के सहारे गश्त शुरू कर दी है। वन विभाग ने ड्रोन के जरिए दो भेड़ियों पर नज़र रखने की पुष्टि की है, लेकिन अभी तक किसी को भी नहीं पकड़ा जा सका है।

## मालेगांव विस्फोट मामला : उच्च न्यायालय ने एनआईए, सात बरी लोगों को नोटिस जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मुंबई/भाषा।** मुंबई उच्च न्यायालय ने 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में पीड़ितों के परिजनों द्वारा दायर अपील पर सुनवाई करते हुए बरी किए गए सात लोगों को बृहस्पतिवार को नोटिस जारी किए।

मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड़ की पीठ ने अभियोजन पक्ष- राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) और महाराष्ट्र सरकार को भी नोटिस जारी किए और अपील पर अगली सुनवाई के लिए छह सप्ताह बाद की तारीख तय की।

उच्च न्यायालय मालेगांव विस्फोट में मारे गए छह लोगों के परिजनों द्वारा आरोपियों को बरी किए जाने के फैसले के खिलाफ दायर अपील पर सुनवाई कर रहा है। इस अपील में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित मामले के सात आरोपियों को बरी करने के विशेष अदालत के फैसले को चुनौती दी गई है।

पिछले हफ्ते दायर अपील में दावा किया गया था कि दोषपूर्ण जांच या जांच में कुछ खामियां आरोपियों को बरी करने का आधार नहीं हो सकतीं। इसमें यह भी तर्क दिया गया था कि (विस्फोट की) साजिश गुप्त रूप से रची गई थी और इसलिए इसका प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं हो सकता।

याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि 31 जुलाई को विशेष एनआईए अदालत द्वारा सात आरोपियों को बरी करने का आदेश गलत और कानूनी रूप से अनुचित था और इसलिए इसे रद्द किया जाना चाहिए।

## झारखंड के लातेहार में चाउमीन खाने से 35 बच्चे बीमार

**लातेहार/भाषा।** झारखंड के लातेहार जिले में एक स्टॉल से चाउमीन खाने के बाद कम से कम 35 बच्चे कथित तौर पर भोजन विषाक्तता के कारण बीमार पड़ गए। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि यह घटना बुधवार शाम सदर थाना क्षेत्र के टेमकी में आयोजित मेले के दौरान हुई। दो से 15 साल की उम्र के बच्चों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. जयप्रकाश ने बताया कि बच्चों को उल्टी, पेट दर्द और शरीर में पानी की कमी की शिकायत के बाद भर्ती कराया गया था।

चिकित्सक ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''उन्हें रात साढ़े नौ बजे से 10 बजे के बीच एम्बुलेंस से अस्पताल लाया गया। यह भोजन विषाक्तता का मामला था। बच्चों की हालत अब स्थिर है।''

## जीएसटी सुधारों से पश्चिम बंगाल की अर्थव्यवस्था को रफ्तार मिलेगी: सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**कोलकाता/भाषा।** केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को नई पीढ़ी के जीएसटी सुधारों का जिक्र करते हुए कहा कि नई कर प्रणाली पश्चिम बंगाल समेत देशभर में गरीब, मध्यम वर्ग, किसान, एमएसएमई और कई महत्वपूर्ण उद्योगों के लिए खास फायदेमंद होगी।

सीतारमण ने यहां माल एवं सेवा कर (जीएसटी) पर आयोजित एक चर्चा में कहा कि नई कर दरें 22 सितंबर से लागू होंगी जो पश्चिम बंगाल के सबसे बड़े पर्व दुर्गा पूजा

के समय के साथ मेल खाती हैं। उन्होंने बताया कि कर सुधारों का उद्देश्य केवल दरों में कटौती नहीं बल्कि अनुपालन प्रक्रियाओं को आसान बनाना और व्यवसायों को स्पष्टता देना भी है। उन्होंने कहा, नई पीढ़ी का जीएसटी गरीब एवं मध्यम वर्ग, किसानों एवं एमएसएमई को मदद देने के साथ अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में वृद्धि के लिए तैयार किया गया है। राज्य सरकारों और जीएसटी परिषद के बीच व्यापक परामर्शों के बाद यह रूपरेखा बनाई गई है।

आगामी त्योहारी मौसम को ध्यान में रखते हुए हस्तशिल्प, मछली पालन, जूट उद्योग, मालदा आम, दार्जीलिंग चाय, होजरी औ रेडिमेड कपड़ा जैसे कई स्थानीय उद्योगों को कर लाभ मिलेगा।

सीतारमण ने कहा कि यह नई व्यवस्था स्थानीय उत्पादों की बिक्री बढ़ाने और पश्चिम बंगाल की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में मदद करेगी। केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा, इन सुधारों से हमें बंगाल में त्योहारी मौसम के समय बिक्री बढ़ने की उम्मीद है।

## राहुल 'घुसपैठिये प्रथम' की राजनीति के पक्ष में हैं खड़े, अराजकता फैलाने की कर रहे हैं चेष्टा : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि राहुल गांधी द्वारा निर्वाचन आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ बार-बार लगाए गए आरोप भारतीय लोकतंत्र में उनके विश्वास के अभाव को दर्शाते हैं।

भाजपा ने उनपर अराजकता फैलाने तथा भारत में नेपाल और बांग्लादेश जैसी अशांति पैदा करने का प्रयास करने का आरोप लगाया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि ''घुसपैठिए प्रथम की राजनीति'' गांधी का एकमात्र एजेंडा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के हितों की बात कर सकते हैं, लेकिन निर्वाचन आयोग द्वारा करायी जा रही मतदाता सूची की समीक्षा का विरोध करके अवैध मतदाताओं को बचाने की उनकी कोशिश इन समुदायों के हितों को नुकसान पहुंचाएगी।

भाजपा ने गांधी पर पलटवार तब किया जब उन्होंने मीडिया के सामने एक प्रजेंटेशन पेश किया। गांधी ने इस प्रजेंटेशन में निर्वाचन आयोग के खिलाफ 'वोट चोरी' के अपने आरोप को पुष्ट करने की कोशिश की।

गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर 'वोट चोरों' और लोकतंत्र को नष्ट करने वाले लोगों को बचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कर्नाटक के विधानसभा क्षेत्र अलंद के आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया कि चुनाव से पहले कांग्रेस समर्थकों के वोट व्यवस्थित तरीके से हटाए गये।

इस पर आयोग ने कहा, ''राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोप गलत और निराधार हैं। किसी भी वोट को ऑनलाइन किसी भी व्यक्ति द्वारा हटाया नहीं जा सकता, जैसा कि गांधी ने गलत धारणा बनाई है।''

ठाकुर ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने माना है कि 2023 में अलंद में मतदाताओं के नाम हटाने के 'कुछ असफल प्रयास' किए गए थे तथा मामले की जांच के लिए आयोग ने खुद ही प्राथमिकी दर्ज करायी थी।

भाजपा नेता ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने कांग्रेस शासित कर्नाटक की सीआईडी के साथ मोबाइल नंबर और आईपी विवरण साझा किया है। उन्होंने जांच में कार्रवाई न करने के लिए कर्नाटक पुलिस की आलोचना की।

पांच बार के लोकसभा सदस्य और पूर्व केंद्रीय मंत्री ठाकुर ने कहा कि गांधी निर्वाचन आयोग के कहे मुताबिक हलफनामा दाखिल करने से बच रहे हैं, अथवा अदालत जाने से कतरा रहे हैं, क्योंकि उनके दावों में दम नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता को पहले भी कई मौकों पर मुंह की खानी पड़ी थी, जब उन्होंने राफेल सौदे में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए सरकार के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने दावा किया कि इसी डर के कारण गांधी इस मुद्दे पर अदालत का दरवाजा नहीं खटखटा रहे हैं।

गांधी द्वारा अपने आरोपों की तुलना परमाणु बम से करने और यह दावा करने के लिए कि वह जल्द ही हाइड्रोजन बम लेकर आएंगे, उनका मजाक उड़ाते हुए भाजपा नेता ने कहा कि विपक्षी नेता तथ्यों के अभाव में केवल नाटक तथा 'प्रहार करो और बचकर निकल जाओ' की रणनीति पर चल रहे हैं। उन्होंने कहा, ''प्रहार करो और बचकर निकल जाओ रणनीति उनकी प्रेसवार्ता में फिर नजर आयी। अगर उनके तर्कों में कोई दम है, तो वह अदालत क्यों नहीं जाते... उन्हें और कांग्रेस को लोकतंत्र या संवैधानिक संस्थाओं में कोई विश्वास नहीं है।''

## नीतीश कुमार ने पटना में 'धार्मिक न्यास समागम' का उद्घाटन किया

**पटना/भाषा।** बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को यहां साधु-संतों के सम्मेलन 'धार्मिक न्यास समागम' का उद्घाटन किया।

इस सम्मेलन का उद्देश्य सामाजिक सुधारों और समाज में कल्याणकारी उपायों को लागू करने में मंदिरों और मठों की भूमिका के बारे में संदेश का प्रसार करना तथा जागरूकता उत्पन्न करना है। इसका आयोजन बिहार राज्य धार्मिक न्यास परिषद (बीएसआरटीसी) द्वारा किया जा रहा है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने एक बयान में कहा, ''मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को यहां बापू सभागार में 'धार्मिक न्यास समागम' का उद्घाटन किया। इस समागम में बड़ी संख्या में साधु-संत शामिल हो रहे हैं। इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा के अलावा बीएसआरटीसी के अध्यक्ष रणवीर नंदन भी मौजूद थे।'' सीएमओ की ओर से जारी बयान के मुताबिक, ''इस एक दिवसीय सम्मेलन के आयोजन का उद्देश्य समाज में जागरूकता पैदा करने में मंदिरों और मठों की भूमिका को उजागर करना है। हमारा उद्देश्य यह है कि संत और महर्षि, आस्था को कायम रखते हुए, परंपरा की शाश्वत शक्ति से समाज को सशक्त करें...देश और समाज को एक नई दिशा भी प्रदान करें।''

यह सम्मेलन बीएसआरटीसी की पिछली उपलब्धियों की समीक्षा के लिए आयोजित किया गया है। बयान के अनुसार राज्य के 4,000 से अधिक पंजीकृत मंदिरों और मठों के प्रतिनिधि इस सम्मेलन में भाग ले रहे हैं।

## बेरोजगार स्नातकों को बिहार सरकार देगी 1000 रुपए मासिक सहायता : नीतीश कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**पटना/भाषा।** मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि बिहार सरकार 'मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना' के तहत बेरोजगार स्नातक युवाओं को दो वर्षों तक प्रतिमाह 1000 रुपए की वित्तीय सहायता देगी।

पहले यह योजना केवल उन बेरोजगार युवाओं के लिए लागू थी जिन्होंने इंटरमीडिएट परीक्षा पास की थी। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, ''राज्य सरकार के सात निश्चय कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित 'मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना' का दायरा बढ़ा दिया गया है। अब कला, विज्ञान और वाणिज्य संकाय से स्नातक पास बेरोजगार युवाओं को भी इस योजना का लाभ मिलेगा।''

उन्होंने बताया कि 20 से 25 वर्ष की आयु के वे स्नातक पास युवा, जो कहीं भी उच्च शिक्षा ग्रहण नहीं कर रहे हैं, नौकरी या रोजगार की तलाश में हैं, स्व-रोजगार से नहीं जुड़े हैं और न ही सरकारी, निजी या गैर-सरकारी नौकरी कर रहे हैं, उन्हें अधिकतम दो वर्षों तक प्रतिमाह 1000 रुपए का भत्ता दिया जाएगा।

बिहार विधानसभा चुनाव इसी वर्ष के अंत में होने वाले हैं। नीतीश कुमार ने कहा, ''मेरी आशा है कि युवा इस सहायता राशि का उपयोग आवश्यक प्रशिक्षण लेने और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने में करेंगे ताकि उनका भविष्य सुरक्षित हो सके।''

उन्होंने कहा कि नवंबर 2005 में नई सरकार बनने के बाद से युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार उपलब्ध कराना तथा उन्हें सक्षम और सशक्त बनाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता रही है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लिखा, ''आप जानते हैं कि अगले पांच वर्षों में एक करोड़ युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य तय किया गया है। आने वाले दिनों में सरकारी एवं निजी क्षेत्र में बड़ी संख्या में नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि वे नौकरी और रोजगार प्राप्त कर सकें।''

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की इस पहल का उद्देश्य यह है कि राज्य के युवाओं को अधिकतम रोजगार के अवसर मिलें, शिक्षित युवा आत्मनिर्भर, कुशल और रोजगारोन्मुख बनें तथा देश और राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

# नीरज चोपड़ा विश्व चैम्पियनशिप में आठवें स्थान पर रहे, सचिन यादव चौथे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**टोक्यो/भाषा।** गत चैम्पियन नीरज चोपड़ा विश्व चैम्पियनशिप पुरुष भालाफेंक फाइनल में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद आठवें स्थान पर रहे जबकि पहली बार खेल रहे भारत के ही सचिन यादव ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके चौथा स्थान हासिल किया ।

फाइनल में कोई भी प्रतियोगी 90 मीटर तक नहीं पहुंच सका । चोपड़ा पांचवें दौर के बाद बाहर हो गए और 84 . 03 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ आठवें स्थान पर रहे । चोपड़ा का पांचवां प्रयास फाउल रहा और वह उसी जगह से स्पर्धा से निराशाजनक ढंग से बाहर हो गए जहां उन्होंने 2021 में ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था। सिर्फ छह शीर्ष खिलाड़ी छठे और आखिरी दौर में पहुंचे और भारत का प्रतिनिधित्व चोपड़ा ने नहीं बल्कि यादव ने किया । उन्होंने पहले ही प्रयास में 86 . 27 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंका था जो उनका सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन भी रहा । वह जर्मनी के जूलियन वेबर (86 . 11

मीटर) और ओलंपिक चैम्पियन पाकिस्तान के अरशद नदीम (82 . 75 मीटर ) से आगे रहे । स्वर्ण पदक त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वालकॉट (88 . 16 मीटर ) ने जीता जबकि ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स (87 . 38 मीटर ) दूसरे और अमेरिका के कुर्टिस थाम्पसन (86 . 67 मीटर ) तीसरे स्थान पर रहे । पिछली बार के रजत पदक विजेता नदीम चौथे दौर के बाद बाहर होने वाले पहले प्रतियोगियों में थे। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता चोपड़ा ने 83 . 65 मीटर के साथ शुरुआत की और पांचवें स्थान पर थे । इसके बाद तीसरा थ्रो 84 . 03 मीटर का फेंका । वह दूसरे दौर के बाद आठवें स्थान पर खिसक गए और वहीं रहे। उनका चौथा थ्रो 82 . 86 मीटर का था जिसके बाद उन्हें पांचवें थ्रो में कीनिया के जूलियस येगो से आगे निकलना था जिन्होंने 85 . 54 मीटर का थ्रो फेंका था लेकिन चोपड़ा का पांचवां प्रयास फाउल रहा ।

## मंधाना के साथ स्वाभाविक समझ है, प्रयास करने की जरूरत नहीं : प्रतीका रावल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मुल्लांपुर (चंडीगढ़)/भाषा।** शीर्ष क्रम की बल्लेबाज प्रतीका रावल का मानना है कि स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना के साथ उनकी स्वाभाविक समझ है, जिसके कारण वे भारत को लगातार अच्छी शुरुआत देने में सफल रहे हैं।

दिल्ली की इस क्रिकेटर ने पिछले साल दिसंबर में वनडे में पदार्पण किया था और वह बहुत कम समय में शीर्ष क्रम में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली बल्लेबाजों में से एक बन गई हैं। उन्होंने कहा कि मंधाना भी उनकी तरह अंतर्मुखी हैं, लेकिन उनके बीच बहुत अच्छा तालमेल है। प्रतीका ने यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में मंधाना के साथ शतकीय साझेदारी की और दूसरे मैच में भी इस स्टार क्रिकेटर

के साथ पहले विकेट के लिए 70 रन जोड़े थे। भारत ने यह मैच रिकॉर्ड 102 रन से जीता। भारतीय टीम में जगह बनाने के बाद से छह अर्धशतक और एक शतक जड़ने वाली इस 25 वर्षीय क्रिकेटर ने जियो हॉटस्टार से कहा, ''मुझे लगता है कि यह (समझ) काफी आसान और स्वाभाविक है। हमें पारी के बीच में ज्यादा बात नहीं करनी पड़ती। वह वही करती है जिसमें वह सर्वश्रेष्ठ है और मैं वही करती हूं जिसमें मैं सर्वश्रेष्ठ हूं।

## सुविचार

**जब रास्तों पर चलते चलते मंजिल का ख्याल ना आये तो आप सही रास्ते पर है।**

## दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# एआई की चमक का दूसरा पहलू

एआई जिस तेजी से लोकप्रिय होती जा रही है, उसके साथ कई गंभीर खतरे भी पैदा हो रहे हैं। अब लोग सोशल मीडिया ट्रेंड को फॉलो करते समय एआई का इस्तेमाल करने लगे हैं। चाहे किसी तस्वीर को खास स्वरूप देना हो या किसी सलाह पर अमल करना हो, इनके पीछे लोगों की सोच यह होती है कि हम पीछे न रह जाएं। किसी एआई प्लेटफॉर्म को अपनी निजी जानकारी देना कितना सुरक्षित है? ऐसी कोई सलाह, जिसके पीछे एआई का इस्तेमाल किया गया हो, उस पर अमल करना कहां तक उचित है? अब हमें इन मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने और जागरूकता का प्रसार करने की जरूरत है। अन्यथा भविष्य में ऐसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं, जिनका समाधान ढूंढ़ना बहुत मुश्किल हो जाएगा। लोग जिज्ञासावश एआई प्लेटफॉर्म को खूब आजमा रहे हैं। वे उनके नतीजों से अचंभित हैं। अगर उनके द्वारा एआई को सौंपा जाने वाला डेटा किसी दिन गलत हाथों में पड़ गया तो क्या होगा? यूं तो कंपनियां निजता, गोपनीयता और सुरक्षा को लेकर बड़े-बड़े दावे करती हैं, लेकिन उन पर संबंधित नियमों के उल्लंघन के आरोप भी लगे हैं। इन दिनों सोशल मीडिया पर जो 'एआई साड़ी ट्रेंड' चल रहा है, उस पर ही निजता संबंधी सवाल खड़े हो रहे हैं। एक युवती ने जब एआई की मदद से अपनी तस्वीर बनाई तो वह नतीजों को देखकर हैरान रह गई! एआई को उसकी बांह पर मौजूद तिल के बारे में पहले से पता था! यह तो सिर्फ एक उदाहरण है। पिछले दिनों लोगों ने एक और अनूठे ट्रेंड के नाम पर अपनी तस्वीरें बहुत अपलोड की थीं। भविष्य में वह क्या गुल खिलाएगा? इस पर विचार करना चाहिए।

हाल में अमेरिका में एक महिला के दावे ने सनसनी फैला दी थी कि उसका आपत्तिजनक वीडियो किसी वेबसाइट पर प्रसारित हो रहा है। जब उसने वीडियो की जांच-पड़ताल की तो मालूम हुआ कि किसी ने उसके सोशल मीडिया अकाउंट से सामान्य तस्वीरें डाउनलोड कर एक एआई टूल की मदद से आपत्तिजनक वीडियो बना दिया था। इसी तरह, भारत में एक महिला ने किसी प्रसिद्ध धर्मगुरु का वीडियो देखा, जो निवेश संबंधी सलाह दे रहे थे। चूंकि महिला उन धर्मगुरु में बहुत श्रद्धा रखती थीं, इसलिए उन्होंने तुरंत उस योजना में 3.75 करोड़ रुपए निवेश कर दिए। बाद में पता चला कि वह वीडियो फर्जी था और निवेश योजना भी फर्जी थी। महिला की जीवनभर की बचत चली गई! साइबर ठगों ने उन धर्मगुरु का वीडियो कहीं से डाउनलोड किया होगा और एआई टूल की मदद से उन्हीं की आवाज में अपनी फर्जी निवेश योजना का प्रचार कर दिया। ऑस्ट्रेलिया की अदालत में आए एक विचित्र मामले ने वकील को मुश्किल में डाल दिया। दरअसल वकील ने अपना पक्ष मजबूत करने के लिए कुछ पुराने मामलों का उल्लेख किया था। जब न्यायाधीश ने उन मामलों की जांच की तो पता चला कि उनका कोई अस्तित्व ही नहीं था! बाद में वकील ने स्वीकार किया कि एआई की मदद से यह सूची तैयार की थी। उन्होंने इसके लिए माफी मांगी और कहा कि भविष्य में ऐसी गलती नहीं करेंगे। एक व्यक्ति कई दिनों से किसी स्वास्थ्य समस्या से परेशान था। उसने एआई चैटबॉट को अपनी तकलीफ बताई और दी गई सलाह पर अमल करने के बाद उसकी तबीयत इतनी बिगड़ गई कि अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। एआई एक मानव-निर्मित प्रणाली है, जिसमें कई खामियां हो सकती हैं। इसका सदुपयोग और दुरुपयोग, दोनों संभव हैं। अपनी सुरक्षा के लिए यही बेहतर होगा कि इसे कोई निजी जानकारी न सौंपें और इसकी हर सलाह पर आंखें मूंदकर भरोसा न करें। अपने विवेक से काम लें।

## ट्वीटर टॉक

अहमदाबाद, गुजरात में आज महान संत आचार्य श्री महाश्रमण जी के सान्निध्य का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उनके दिव्य दर्शन और आशीर्वचन से आत्मिक ऊर्जा मिली। इस अवसर पर जैन समाज द्वारा पांडुलिपियों के संकलन और संरक्षण के कार्य पर भी विस्तृत चर्चा हुई।

**-गजेन्द्रसिंह शेखावत**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से आज ठणक्ड चिकित्सालय परिसर में 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान' कार्यक्रम में उपस्थित जनों को संबोधित किया। इस अवसर पर डबल इंजन की सरकार की योजनाओं के पात्र लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं चेक वितरित किए।

**-भजनलाल शर्मा**

मोदी जी का कार्य करने का तरीका और जिस तरह से उन्होंने दुनिया में भारत को स्थापित किया, भारत की छवि को स्थापित किया... इन सारी चीजों को हम सबने देखा है। मोदी जी की भूमिका इंटरनेशनल फोरम में भी प्रमुखतम रूप में रही है।

**-जेपी नड्डा**

## प्रेरक प्रसंग

# निरर्थक लालसाएं

एक बार सर आइज़क न्यूटन ने अपने कमरे में एक पंखा लगाया। उन्होंने लीवर और घिरनियों को कुछ इस तरह व्यवस्थित किया कि चूहे उसे चला सकें। एक दांतेदार पहिए के पास उन्होंने गेहूं के कुछ दाने इस प्रकार रखे कि वे पहिए की गति से प्रभावित न हों। जब चूहा एक दांत से दूसरे दांत पर कूदता, तो पहिया घूमता और पंखा चलने लगता, किंतु गेहूं के दाने अपनी जगह स्थिर रहते। मूर्ख चूहा यह समझता रहा कि अगली छलांग में दाने मिल जाएंगे, और बार-बार कूदता रहा। हर बार दाने पाने की आशा में छलांग लगाता रहा, लेकिन दुर्भाग्यवश, वह उन्हें कभी नहीं पा सका। ठीक इसी प्रकार, मनुष्य की सांसारिक आशाएं और आकांक्षाएं भी होती हैं। वे कभी पूरी नहीं होतीं, या यदि होती भी हैं तो संतुष्टि नहीं देतीं। जैसे वह चूहा दानों तक नहीं पहुंच पाया, वैसे ही इच्छाओं में डूबा मनुष्य भी सत्य से दूर ही रहता है। उसकी लालसाएं ही जीवन के 'पंखे' को निरंतर चलाती रहती हैं एक अंतहीन दौड़ में।

## सामयिक

**आज की दुनिया में भारत और अमेरिका का रिश्ता केवल द्विपक्षीय ही नहीं, बल्कि वैश्विक परिश्य को भी प्रभावित करता है। अमेरिका जहां विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सैन्य शक्ति है, वहीं भारत उभरती हुई आर्थिक ताकत और सबसे बड़ा लोकतंत्र है। दोनों की साझेदारी लोकतांत्रिक मूल्यों, पारदर्शिता और वैश्विक शांति की आकांक्षाओं पर आधारित है। हाल के वर्षों में कभी-कभी मतभेद जरूर सामने आए-जैसे व्यापार शुल्क, वीजा नीतियां, भारत-पाक सीजफायर और रक्षा समझौते इन मतभेदों के बावजूद रणनीतिक साझेदारी मजबूत होती रही है।**

# मोदी-ट्रंप के सार्थक संवाद से क्या राह बदलेगी?

**ललित गर्ग**

**मोबाइल : 9811051133**

नई दिल्ली में भारत-अमेरिकी व्यापार वार्ता की बाधाओं को दूर करने पर दोनों पक्षों के बीच सकारात्मक बातचीत के दौरान करीब तीन महीने बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फोन करके जन्मदिन की बधाई देते हुए रूस-यूक्रेन युद्धविराम का समर्थन करने के लिए आभार जताना, दोनों देशों के बीच रिश्तों में आई तल्खी को कम करने की कोशिश मानी जानी चाहिए। मोदी और ट्रंप के बीच हुई इस बातचीत ने दोनों देशों के रिश्तों में नई आशा और सकारात्मकता का संचार किया है। क्योंकि अमेरिका के एकतरफा टैरिफ और कुछ तीखे बयानों के बावजूद भारत ने संयम बरता एवं तीखी प्रतिक्रिया की बजाय मसले के सुलझने का इंतजार करते हुए विवेक एवं समझदारी का परिचय दिया। भारत पर थोपे गए ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ को लेकर अमेरिका में साफ तौर पर दो विरोधी स्वर सुनाई पड़ रहे हैं। ऐसे माहौल में जरूरी हो गया है कि दोनों देशों के बीच शीर्ष स्तर पर संवाद जारी रहे।

इसी बात को अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने स्वीकार करते हुए यह उम्मीद जताई थी कि आखिरकार अमेरिका और भारत साथ आएंगे, यही मौजूदा वक्त की सबसे बड़ी जरूरत है। मोदी एवं ट्रंप का ताजा संवाद इसी की निष्पत्ति बना है। यह संवाद मोदी के 75वें जन्मदिवस के अवसर पर हुआ और इसमें अतीत की कई कड़वाहटों को पीछे छोड़कर भविष्य की संभावनाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। दरअसल, दोनों नेताओं की बातचीत का बड़ा कारण शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में रूस, चीन और भारत के शीर्ष नेताओं की गर्मजोशी भी बना, उससे ट्रंप की चिंताएं बढ़ी थी, इस बैठक के बाद ही पहली बार ट्रंप के रुख में नरमी के संकेत मिले थे। उसके बाद दस सितंबर को फिर ट्रंप ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार वार्ताओं की बाधाओं को दूर करने पर बातचीत जारी है। ताजा वार्ता ने यह संदेश दिया कि भारत और अमेरिका के रिश्ते किसी एक घटना या परिस्थिति पर निर्भर नहीं, बल्कि दीर्घकालीन रणनीति और साझा हितों की नींव पर खड़े हैं।

आज की दुनिया में भारत और अमेरिका का रिश्ता केवल द्विपक्षीय ही नहीं, बल्कि वैश्विक परिदृश्य को भी प्रभावित करता है। अमेरिका जहां विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सैन्य शक्ति है, वहीं भारत उभरती हुई आर्थिक ताकत और सबसे बड़ा लोकतंत्र है। दोनों की साझेदारी लोकतांत्रिक मूल्यों, पारदर्शिता और वैश्विक शांति की आकांक्षाओं पर आधारित है। हाल के वर्षों में कभी-कभी मतभेद जरूर सामने आए-जैसे व्यापार शुल्क, वीजा नीतियां, भारत-पाक सीजफायर और रक्षा समझौते इन मतभेदों के बावजूद रणनीतिक साझेदारी मजबूत होती रही है। भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक संबंध लंबे समय से चर्चा का विषय रहे हैं। कभी शुल्क वृद्धि को लेकर तनाव हुआ, तो कभी आयात-निर्यात की नीतियों को लेकर असहमति। किंतु ट्रंप-मोदी वार्ता के बाद एक बार फिर नए समझौते और अवसर सामने आ सकते हैं। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और आईटी, सेवा क्षेत्र, ऊर्जा और तकनीकी निवेश में दोनों के बीच गहरा सहयोग है। प्रधानमंत्री मोदी ने व्यापारिक अड़चनों को दूर करने पर जोर दिया है और ट्रंप ने भी व्यापार घाटे को कम करने के लिए सहयोग का संकेत दिया। यह संकेत आने वाले समय में द्विपक्षीय व्यापार को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं।

भारत और अमेरिका का रक्षा सहयोग पिछले एक दशक में तेजी से बढ़ा है। अमेरिका ने भारत को महत्वपूर्ण रक्षा तकनीक उपलब्ध कराई है और संयुक्त सैन्य अभ्यासों से सुरक्षा साझेदारी मजबूत हुई है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए भारत-अमेरिका का रक्षा सहयोग न केवल द्विपक्षीय है, बल्कि पूरे क्षेत्रीय संतुलन के लिए अहम है। चीनी मनमानी पर नियंत्रण के लिए अमेरिका को खासतौर पर भारतीय सहयोग की जरूरत है। इसी मकसद से क्वॉड का गठन किया गया, जिसे अमेरिकी सरकार ने तवज्जो भी दी। लेकिन, ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी की वजह से क्वॉड के भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं। वहीं, वॉशिंगटन में यह भी चिंता बनी कि पिछले दो दशकों में भारत-अमेरिका रिश्तों में जो प्रगति हुई थी, वह ट्रंप की महत्वाकांक्षाओं एवं अतिश्योक्तिपूर्ण हरकतों से पिछले कुछ दिनों में बेकार होती हुई दिख रही थी। लेकिन देर आये दुरस्त आये की कहावत के अनुसार दोनों शीर्ष नेताओं की बातचीत से अब अंधेरे छंटते हुए दिख रहे हैं। अमेरिका चाहता है कि भारत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में संतुलन कायम रखने में और बड़ी भूमिका निभाए, वहीं भारत अपनी सामरिक स्वतंत्रता बनाए रखते हुए सहयोग को और गहरा करना चाहता है।

भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में अमेरिका एक अहम सहयोगी बन सकता है। अमेरिका से तरलीकृत प्राकृतिक गैस और कच्चे तेल का आयात बढ़ रहा है। यह न केवल ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा, बल्कि भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था को भी नई गति देगा। तकनीकी क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच साझेदारी मजबूत है।

सूचना प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष अनुसंधान और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में सहयोग आने वाले दशकों के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकता है। अमेरिका में बसे भारतीय मूल के लोग दोनों देशों के बीच सेतु का कार्य कर रहे हैं। चाहे राजनीति हो, शिक्षा, स्वास्थ्य या तकनीक-भारतीय-अमेरिकी समुदाय का योगदान उल्लेखनीय है। यह समुदाय भारत और अमेरिका के बीच रिश्तों को भावनात्मक और सांस्कृतिक आधार देता है। ट्रंप और मोदी की बातचीत में भारतीय प्रवासी समुदाय की प्रशंसा भी हुई, जिसने दोनों देशों के बीच विश्वास और निकटता को और बढ़ाया।

भारत और अमेरिका दोनों आतंकवाद से प्रभावित रहे हैं। 9/11 की घटना ने अमेरिका को और 26/11 ने भारत को गहरे जख्म दिए। यही कारण है कि आतंकवाद के खिलाफ दोनों का दृष्टिकोण काफी हद तक समान है। हाल की बातचीत में आतंकवाद को समाप्त करने और सुरक्षा सहयोग को बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। अफगानिस्तान और मध्य-एशिया की परिस्थितियों को देखते हुए भारत और अमेरिका का सहयोग वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए निर्णायक हो सकता है। ट्रंप और मोदी की बातचीत ने यह साबित किया है कि अतीत के मतभेद रिश्तों का अंत नहीं, बल्कि नए संवाद का अवसर बन सकते हैं। व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, तकनीक और आतंकवाद जैसे क्षेत्रों में सहयोग दोनों देशों के लिए लाभकारी है। आज जब दुनिया वैश्विक महामारी, आर्थिक संकट, युद्ध की विभीषिका और भू-राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रही है, भारत और अमेरिका की साझेदारी नई दिशा और स्थिरता का संकेत देती है।

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार-वार्ता में बेशक व्यवधान आए हों, पर भारत और यूरोपीय संघ के बीच जिस गति से वार्ता हो रही है, उससे वर्ष के अंत तक दोनों में व्यापार समझौता होने की पूरी उम्मीद है। असल में दोनों देशों के बीच पांच दौर की व्यापार वार्ता हो चुकी है, लेकिन 50 फीसदी टैरिफ लगाए जाने के बाद छठे दौर की प्रस्तावित वार्ता रुक गई थी, जो बीते मंगलवार से फिर पटरी पर लौट आई है। दरअसल, ट्रंप प्रशासन चाहता है कि भारत अपने कृषि एवं डेयरी क्षेत्र को अमेरिकी कंपनियों के लिए पूरी तरह से खोले, लेकिन भारत के लिए यह संभव नहीं है, क्योंकि यह उसके किसानों व मछुआरों के हितों के खिलाफ है। भारत पहले ही कह चुका है कि वह किसानों, डेयरी उत्पादकों एवं एमएसएमई के हितों से कोई समझौता नहीं करेगा।

दोनों देशों के बीच पिछले एक दशक में द्विपक्षीय व्यापार लगभग दोगुना हो गया है और इसे 2030 तक 500 बिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। लेकिन यह तभी संभव था, जब मौजूदा गतिरोध खत्म हो और इसके लिए बातचीत ही रास्ता है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का महत्वपूर्ण हिस्सा बने रहने के लिए भारत दूसरे देशों के साथ भी मुक्त व्यापार समझौते कर रहा है। भले ही डोनाल्ड ट्रंप पर अधिक भरोसा नहीं कर सकते, लेकिन सवाल यह है कि अब उनकी तरफ से दिखाई जा रही नरमी को क्या एक संकेत माना जाए कि इससे कोई नई राह निकलेगी। अड़ियल रुख अपनाने के बजाय अमेरिका को भारतीय नजरिया समझने की जरूरत थी, अब अमेरिका भारत का नजरिया समझने को तत्पर हुआ है तो निश्चित ही इसके दूरगामी परिणाम आयेंगे।

## नजरिया

# जहाँ विज्ञान चूक जाता है, वहाँ टिटहरी पहले चेताती है

**डॉ सत्यवान सौरभ**

**मोबाइल : 9466526148**

भारत का ग्रामीण जीवन सदियों से प्रकृति के साथ गहरे संवाद में रहा है। खेत, मौसम और जीव-जंतु मिलकर किसान की दिनचर्या और भविष्य दोनों को प्रभावित करते हैं। इन सबके बीच टिटहरी एक ऐसा छोटा-सा पक्षी है, जो सामान्य आँखों से मामूली दिखता है, लेकिन किसानों और लोकजीवन की स्मृतियों में यह मौसम की सटीक भविष्यवाणी करने वाला प्रहरी माना जाता है। यह केवल एक पक्षी नहीं, बल्कि धरती और आकाश के बीच संवाद का माध्यम है, एक मौन दूत है जो संकट और समृद्धि दोनों की आहट पहले ही दे देता है। ग्रामीण अनुभव बताते हैं कि टिटहरी का व्यवहार मौसम और कृषि की दिशा तय करने में अहम संकेत देता है। यदि वह चार अंडे देती है तो चार महीने अच्छी वर्षा होने का विश्वास किया जाता है। जब वह ऊँचाई पर अंडे देती है, तो लोग मानते हैं कि सामान्य से अधिक वर्षा होगी। यदि कभी वह मजबूरी में छत या पेड़ पर अंडे दे, तो यह भीषण बाढ़ का संकेत माना जाता है। वहीं, यदि वह अंडे न दे तो यह सबसे डरावनी स्थिति होती है, क्योंकि लोग इसे अकाल का दूत मानते हैं। किसान कहते हैं कि जिस खेत में टिटहरी अंडे देती है, वह खेत खाली नहीं रहता। वहाँ फसल ज़रूर होती है। इस तरह यह पक्षी न केवल वर्षा और मौसम से जुड़े संकेत देता है बल्कि उपजाऊपन और अकाल जैसी चरम स्थितियों की चेतावनी भी बन जाता है।

लोकजीवन में एक और मान्यता है कि टिटहरी का मृत शरीर कुरुक्षेत्र के अलावा कहीं दिखाई नहीं देता। चाहे यह तथ्य हो या प्रतीकात्मक कल्पना, लेकिन यह विश्वास उसे जीवन और अस्तित्व की रक्षा का प्रतीक बना देता है। टिटहरी को देखने वाला किसान समझ जाता है कि यह पक्षी उसकी मिट्टी, फसल और भविष्य का पहरेदार है। यही कारण है कि ग्रामीण लोकगीतों और कहावतों में भी टिटहरी का उल्लेख मिलता है। यह उन जीवों में से है जिनकी गतिविधियों पर पीढ़ियाँ भरोसा करती रही हैं। अब

सवाल उठता है कि जब विज्ञान मौसम की भविष्यवाणी के लिए उपग्रह, राडार और कंप्यूटर मॉडल जैसे अत्याधुनिक साधन लेकर आया है, तब टिटहरी जैसे पक्षियों की भूमिका क्या रह जाती है। वास्तव में इसका उत्तर यही है कि विज्ञान और लोकअनुभव एक-दूसरे के पूरक हैं, विरोधी नहीं। वैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाए तो टिटहरी जैसे पक्षी पर्यावरणीय परिवर्तनों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील होते हैं। हवा की नमी, तापमान का उतार-चढ़ाव, भूमि की नमी, जल स्तर का बढ़ना या घटना – इन सबका असर उनके व्यवहार पर पड़ता है। यही कारण है कि वैज्ञानिक भाषा में इन्हें इकोसिस्टम इंडिकेटर कहा जाता है। यानी ऐसे जीव जो अपने आचरण के माध्यम से हमें पर्यावरणीय बदलावों की समय रहते जानकारी दे देते हैं।

हमारे पूर्वजों ने विज्ञान के औज़ारों का सहारा लिए बिना ही इन संकेतों को अनुभव के आधार पर समझा और उनका लाभ उठाया। सदियों से किसान टिटहरी की गतिविधियों पर नज़र रखते आए हैं। अगर वह अंडे देने का समय टाल दे तो किसान पहले से ही सतर्क हो जाते थे। यदि वह ज़मीन छोड़कर ऊँचाई पर चली जाए, तो वे अधिक वर्षा और संभावित जलभराव को लेकर चौकन्ने हो जाते थे। इस प्रकार लोकानुभव ने जो बातें कही हैं, वे वास्तव में वैज्ञानिक कारणों से जुड़ी हुई हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि किसानों ने इन्हें अपनी भाषा और प्रतीकों में व्यक्त किया। आज जब हम शहरीकरण और औद्योगिकीकरण की चमक में डूबे हैं, तब सबसे बड़ा संकट यही है कि हमने प्रकृति की इस मौन भाषा को सुनना लगभग छोड़ दिया है। शहरों में रहने वाला इंसान यह नहीं जानता कि कब कोई पक्षी अपनी आदत बदल रहा है, कब उसकी संख्या घट रही है या कब उसका स्वर बदल रहा है। यही लापरवाही हमें अचानक आने वाली आपदाओं के सामने असहाय बना देती है। यदि हम टिटहरी और अन्य पक्षियों के संदेशों को गंभीरता से लें तो आपदा प्रबंधन की हमारी क्षमता कई गुना बढ़ सकती है।

टिटहरी के बारे में यह भी कहा जाता है कि यह पक्षी खेत को कभी खाली नहीं छोड़ता। उसका वहाँ अंडे देना किसानों के लिए आश्वासन का प्रतीक है। यह विश्वास अपने आप में गहरा संदेश है कि प्रकृति मनुष्य को निराश नहीं करती, बशर्ते हम उसका सम्मान करें। लेकिन जब हम प्रकृति के नियम तोड़ते हैं, उसके साथ छेड़छाड़ करते हैं, तब उसके प्रहरी पक्षी भी अपने संकेत बदलने को मजबूर हो जाते हैं। यही वजह है कि कई बार बाढ़ या अकाल जैसी स्थिति का पूर्वाभास हमें टिटहरी के व्यवहार से पहले ही मिल जाता है। इस पक्षी का महत्व केवल ग्रामीण जीवन तक सीमित नहीं है। यह हमें याद दिलाता है कि जीवन का हर रूप पर्यावरण के विशाल ताने-बाने से जुड़ा है। जब एक छोटा-सा पक्षी अपने अंडों के ज़रिए भविष्य की तस्वीर दिखा सकता है, तब यह हमारे लिए चेतावनी भी है कि हम इस तंत्र के साथ खिलवाड़ न करें। विज्ञान भी यही कहता है कि पर्यावरण में सूक्ष्मतम बदलाव का सबसे पहले असर पक्षियों और छोटे जीवों पर दिखाई देता है। यदि हम समय रहते उन्हें सुन लें, तो बड़ी त्रासदियों से बच सकते हैं।

संपादकीय दृष्टि से यह कहना उचित है कि टिटहरी कोई साधारण पक्षी नहीं है। यह हमें यह समझाती है कि ज्ञान केवल प्रयोगशालाओं और उपग्रहों से नहीं आता, बल्कि खेत-खलिहानों और जीव-जंतुओं के आचरण से भी आता है। आधुनिक विज्ञान जहाँ आँकड़ों और तकनीक पर आधारित है, वहीं टिटहरी सहज संवेदना और प्राकृतिक जुड़ाव पर आधारित चेतावनी देती है। दोनों के बीच पुल बनाना ही आज की सबसे बड़ी ज़रूरत है। आज की स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न संरक्षण का है। यदि टिटहरी जैसे पक्षी हमारे बीच से लुप्त हो जाएँगे तो न केवल लोकविश्वास टूट जाएगा, बल्कि पर्यावरणीय चेतावनी प्रणाली का एक अहम हिस्सा भी खो जाएगा। इसके संरक्षण के लिए हमें खेतों में अत्यधिक कीटनाशकों का उपयोग कम करना होगा, प्राकृतिक आवासों को सुरक्षित रखना होगा और जलस्रोतों को बचाना होगा। यह केवल एक पक्षी का संरक्षण नहीं होगा, बल्कि अपने भविष्य और अस्तित्व की रक्षा भी होगी। निष्कर्ष यही है कि जहाँ विज्ञान आँकड़ों और मशीनों पर भरोसा करता है, वहीं टिटहरी जैसी पक्षियाँ सहज चेतावनी देती हैं। विज्ञान देर से अलर्ट करता है, लेकिन टिटहरी पहले से सावधान कर देती है। हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती यही है कि हम इस मौन संवाद को सुनें और उसके अनुसार कदम उठाएँ। यदि हमने इस आवाज़ को नज़रअंदाज़ किया, तो आने वाले समय में न केवल टिटहरी गायब हो जाएगी, बल्कि उसका दिया हुआ संदेश भी हमारे जीवन से खो जाएगा।

**महत्त्वपूर्ण**

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

## उद्घाटन

असम भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने गुरुवार को गुवाहाटी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में एक सप्ताह तक चलने वाले कार्यक्रम के तहत एक फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

# बेहतर रहेगा कि हिंदू धर्म की मान्यताओं का मजाक उड़ाने वाली टिप्पणियों से बचा जाएः विहिप

नई दिल्ली/भाषा। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने बृहस्पतिवार को खजुराहो में भगवान विष्णु की मूर्ति फिर से स्थापित करने मांग संबंधी याचिका पर प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई की टिप्पणी की यह कहते हुए आलोचना की कि बेहतर रहेगा कि हिंदू धर्म की मान्यताओं का मजाक उड़ाने वाली ऐसी टिप्पणियों से बचा जाए।

प्रधान न्यायाधीश की अगुवाई वाली पीठ ने इस याचिका को 'प्रचार हित याचिका' करार देते हुए मंगलवार को खारिज कर दिया था।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा,''यह पूरी तरह से प्रचार हित याचिका है... जाइए और स्वयं भगवान से कुछ करने के लिए कहिए। यदि आप कह रहे हैं कि आप भगवान विष्णु के अनन्य भक्त हैं, तो आप प्रार्थना कीजिए और थोड़ा ध्यान करिए।''

मुख्य न्यायाधीश की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने एक बयान में कहा,''हमें लगता है कि प्रधान न्यायाधीश की मौखिक टिप्पणी से हिंदू धर्म की मान्यताओं का माखौल उड़ा है। ऐसी टिप्पणियों से बचना ही बेहतर होगा।'' उन्होंने कहा कि अदालतें न्याय के मंदिर हैं जिन पर भारतीय समाज की आस्था और विश्वास है।

कुमार ने कहा, ''यह हमारा कर्तव्य है कि यह विश्वास न केवल बरकरार रहे, बल्कि और भी मज़बूत हो।'' उन्होंने कहा,'' खासकर अदालत के अंदर अपनी टिप्पणियों में संयम बरतना भी हमारा कर्तव्य है। यह जिम्मेदारी वादियों, वकीलों और न्यायाधीशों के लिए समान है।''

इस बीच, प्रधान न्यायाधीश गवई ने बृहस्पतिवार को अपनी टिप्पणियों की ऑनलाइन आलोचना के बाद 'सभी धर्मों' के प्रति अपना सम्मान दोहराया। उन्होंने कहा,''किसी ने मुझे बताया कि मेरी टिप्पणियों को सोशल मीडिया पर प्रचारित किया गया है... मैं सभी धर्मों का सम्मान करता हूं।''

राकेश दलाल ने अपनी याचिका में छतरपुर जिले के जावरी मंदिर में क्षतिग्रस्त मूर्ति को बदलने और उसकी प्राण-प्रतिष्ठा करने की मांग की थी। जावरी मंदिर मध्यप्रदेश में यूनेस्को विश्व धरोहर खजुराहो मंदिर परिसर का हिस्सा है।

पीठ ने कहा कि यह मामला पूरी तरह से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिकार क्षेत्र में आता है।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''यह एक पुरातात्विक खोज है, एएसआई ऐसा करने की अनुमति देगा या नहीं... इसमें कई मुद्दे हैं।'' प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''इस बीच, अगर आप शैव धर्म के विरोधी नहीं हैं, तो आप वहां जाकर पूजा कर सकते हैं... वहां शिव का एक बहुत बड़ा लिंग है, जो खजुराहो के सबसे बड़े लिंगों में से एक है।''

# अब 'अमरत्व' बेचने की तैयारी, विशेषज्ञों ने संभावित खतरों को लेकर आगाह किया

सिडनी। क्या आपको मौका मिले तो हमेशा जीवित रहने के लिए भुगतान करना चाहेंगे? सिलिकॉन वैली के कुछ अरबपति अब सिर्फ प्रौद्योगिकी संबंधी उत्पाद ही नहीं बना रहे, बल्कि उनकी नजरें 'अमरत्व' हासिल करने पर हैं।

सोशल मीडिया पर स्वास्थ्य संबंधी सोच को प्रभावित करने वाले (इन्फ्लुएंसर्स) बड़ी संख्या में उपयुक्त खाद्य सामग्री, मशरूम पाउडर और अन्य कई 'तरह के आहार' को बढ़ावा दे रहे हैं जो दावा करते हैं कि वे आपकी उम्र को उलट सकते हैं या जीवनकाल को बढ़ा सकते हैं। हालांकि इनमें से अधिकांश उपायों का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। बर्फीले स्नान (आइस बाथ), सौना, क्रायोथेरेपी और रेड लाइट थैरेपी जैसे उपाय अब तेजी से बढ़ते एक उद्योग का हिस्सा बन चुके हैं जो लंबे जीवन और युवा दिखने की चाह पर आधारित है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह उद्योग उन लोगों को लक्षित कर रहा है जो बुढ़ापे और मृत्यु से डरते हैं। हालांकि, आज तक कोई मनुष्य अमर नहीं हुआ, और न ही जैविक रूप से यह संभव है। डार्विन के सिद्धांत पर आधारित विकास प्रक्रिया जीवों को अधिक समय तक जीवित रहने की बजाय सफल प्रजनन और अनुकूलन के लिए तैयार करती है।

इस लेख के लेखकों की मानें तो, इस उद्योग की तीन बड़ी चिंताएं हैं: प्रमाण के बजाय मुनाफे पर ज़ोर, अनावश्यक परीक्षणों से उत्पन्न जोखिम, और लंबी उम्र को रोकथाम की वैध चिकित्सा पद्धति के रूप में प्रस्तुत करना।

उदाहरण के लिए, संपूर्ण शरीर का एमआरआई स्कैन आम लोगों में कैंसर और अन्य बीमारियों का शीघ्र पता लगाने के लिए प्रचारित किया जा रहा है। लेकिन मेडिकल कॉलेजों और विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे स्कैन स्वस्थ व्यक्तियों में स्वास्थ्य लाभ नहीं पहुंचाते और इसके परिणामस्वरूप अनावश्यक जांच, तनाव और खर्च बढ़ सकता है। वे स्वस्थ लोगों में पूरे शरीर के एमआरआई की सलाह नहीं देते।

विशेषज्ञ चेताते हैं कि अत्यधिक जांच से ओवरडायग्नोसिस यानी उन समस्याओं की पहचान हो सकती है जो व्यक्ति के जीवन में कभी नुकसान नहीं पहुंचातीं। इसके कारण अनावश्यक इलाज, फॉलो-अप जांचें और चिकित्सकीय हस्तक्षेप शुरू हो सकते हैं।

लंबी उम्र की बात करने वाला उद्योग स्वयं को रोकथाम की चिकित्सा का हिस्सा बताता है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि यह मूल सार्वजनिक स्वास्थ्य सिद्धांतों से काफी अलग है। वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित रोकथाम उपायों में टीकाकरण, उचित उम्र में कैंसर जांच, व्यायाम, स्वस्थ आहार, और नींद व सामाजिक संबंधों की देखरेख शामिल हैं न कि दर्जनों सप्लीमेंट्स, रक्त परीक्षण और महंगे स्कैन।

# पोप लियो ने अपने पहले साक्षात्कार में ट्रंप, यौन शोषण मामलों और चीन पर रखी राय

रोम/एपी। पोप लियो 14वें ने इतिहास के पहले अमेरिकी पोप के रूप में अपने प्रथम साक्षात्कार में कहा कि उनका अमेरिकी राजनीति में शामिल होने का कोई इरादा नहीं है, लेकिन वह आव्रजन सहित कैथोलिक चर्च के लिए चिंता के मुद्दों पर अपनी आवाज उठाएंगे।

लियो ने ट्रंप प्रशासन से लेकर पादरी यौन शोषण संकट, 'एलजीबीटीक्यूप्लस' कैथोलिकों का स्वागत और वेटिकन-चीन संबंधों सहित विभिन्न विषयों पर बात की। यह साक्षात्कार समाचार साइट 'क्रक्स' की वेटिकन संवाददाता एलिस एन एलन द्वारा लिया गया, जो लियो की जीवनी पर आधारित था। यह साक्षात्कार बृहस्पतिवार को पेरू में प्रकाशित हुई, जहां लियो कई वर्षों तक बिशप रहे थे। लियो ने 'एलजीबीटीक्यूप्लस' कैथोलिकों के लिए पोप फ्रांसिस के संदेश को स्वीकार किया कि कैथोलिक चर्च में स्वागत है, लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें यह लगभग असंभव लगता है कि उनके यौन रुझानों के बारे में चर्च का मूल सिद्धांत जल्द बदल जाएगा। उन्होंने कहा, सभी आमंत्रित हैं, लेकिन मैं किसी व्यक्ति को इसलिए आमंत्रित नहीं करता क्योंकि उसकी कोई विशिष्ट पहचान है या नहीं। मैं किसी व्यक्ति को इसलिए आमंत्रित करता हूं क्योंकि वह ईश्वर का पुत्र या पुत्री है। चीन के साथ संबंधों पर लियो ने कहा कि उन्हें बिशप नामांकन पर बीजिंग के साथ वेटिकन के विवादास्पद 2018 समझौते में किसी भी अल्पकालिक बदलाव की उम्मीद नहीं है। पोप फ्रांसिस के नेतृत्व में वेटिकन ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जिससे यह आशा थी कि इससे चीन के अनुमानित 1.2 करोड़ कैथोलिकों को एकजुट करने में मदद मिलेगी, जो लंबे समय से एक आधिकारिक, राज्य-स्वीकृत चर्च और रोम के प्रति वफादार एक भूमिगत चर्च के बीच विभाजित थे। लियो ने कहा, मैं किसी भी तरह से उन सभी से ज्यादा समझदार या अनुभवी होने का दावा नहीं करता जो मुझसे पहले आए हैं। उन्होंने जोड़ा कि वह इस मुद्दे का अध्ययन कर रहे हैं और इसके बारे में दोनों पक्षों के चीनी लोगों से बात कर रहे हैं।

गुरुवार को दिल्ली के पीबीजी ग्राउंड में एक पेड़ माँ के नाम 2.0 के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान राजदूतों और उच्चायुक्तों के साथ दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता।

# काजोल ने आर्यन खान के डेब्यू प्रोजेक्ट को बताया हिट

**मुंबई/एजेन्सी**

अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की डायरेक्टोरियल डेब्यू सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' की हाल ही में स्क्रीनिंग हुई। इस स्क्रीनिंग में बॉलीवुड की कई जानी-मानी हस्तियों ने शिरकत की और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए आर्यन को बधाई भी दी। अभिनेत्री काजोल ने इंस्टाग्राम पर स्क्रीनिंग की कुछ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए, जिसमें वह अजय देवगन, शाहरुख खान, गौरी खान, सुहाना खान और आर्यन खान के साथ नजर आ रही हैं। काजोल ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के साथ बधाई हो आर्यन। मुझे यकीन है कि इससे भी ज्यादा कमाल तो तुम्हारा शो करेगा। बहुत उत्साहित हूं। पोस्ट की गई वीडियो में काजोल अपने पति और अभिनेता अजय देवगन के साथ पोज दे रही हैं। उनके साथ शाहरुख खान भी हैं। तीनों मिलकर सीरीज के टाइटल पर मजाकिया बातें कर रहे हैं। कुछ तस्वीरों में काजोल, आर्यन, उनकी बहन सुहाना और मां गौरी खान के साथ नजर आ रही हैं। मशहूर कोरियोग्राफर और निर्माता फराह खान ने भी इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर स्क्रीनिंग की तस्वीर पोस्ट की, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, पहले से ही ढेरों शुभकामनाएं।

'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' सीरीज को रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के बैनर तले गौरी खान ही प्रोड्यूस कर रही हैं। सीरीज में लक्ष्य लालवानी, साहेर बंबा, बॉबी देओल, राघव जुयाल, आन्या सिंह, मोना सिंह, गौतमी कपूर, मनोज पहवा, रजत बेदी, मनीष चौधरी, विजयंत कोहली और रोहित गिल हैं, जैसे सितारे नजर आ रहे हैं। इसमें कई बड़े सितारे कैमियो में दिखाई देंगे। सीरीज में सलमान खान, शाहरुख खान, आमिर खान, अमिताभ बच्चन, रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, करीना कपूर, सैफ अली खान, करण जौहर, रणवीर सिंह, दिशा पाटनी, अर्जुन कपूर, सुहाना खान और यहां तक कि तमन्ना भाटिया और यो यो हनी सिंह जैसे सितारे नजर आएंगे। सीरीज की कहानी बॉलीवुड की दुनिया पर आधारित है, जिसमें एक्शन, कॉमेडी और स्टारडम देखने को मिलेगा।

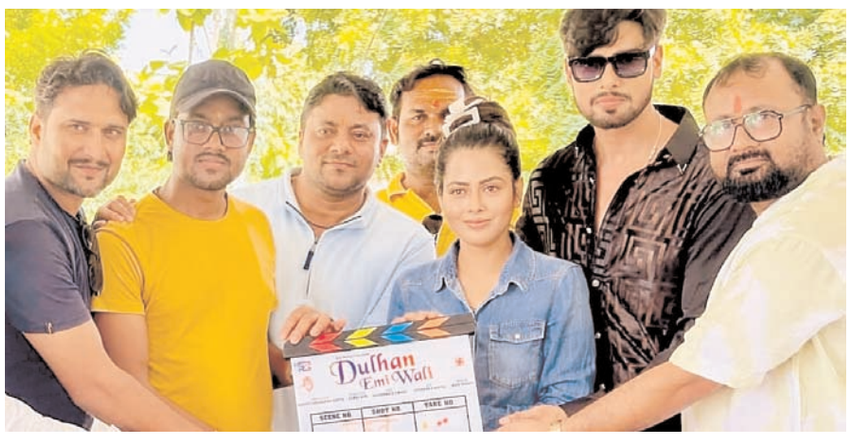


# फिल्म 'दुल्हन ईएमआई वाली' की शूटिंग पूरी

**मुंबई/एजेन्सी**

जानेमाने निर्देशक सूरजगिरी के निर्देशन में बन रही भोजपुरी फ़िल्म दुल्हन ई एम आई वालीकी शूटिंग पूरी हो गई है। यह फ़िल्म उतर प्रदेश के भदोही गोपीगंज की खूबसूरत लोकेशनों पर शूट की गई है। आर. जी प्रोडक्शन हॉउस के बैनर तले बनी इस फ़िल्म के निर्माता राकेश सदानंद गुप्ता है, जबकि लेखक मणि भारती, कार्यकारी निर्माता जीतेन्द्र सीताराम गुप्ता, संगीत एस. कुमार है। निर्देशक सूरज गिरी ने कहा कि हमारी पूरी टीम दिल से मेहनत की है। हमें उम्मीद है की दर्शक इस फ़िल्म से खुद को जोड़ पाएंगे। पारिवारिक पृष्ठ भूमियो पर केंद्रित इस फ़िल्म में मुख्य भूमिकाओं में कुंदन भारतद्वाज और ऋचा दीक्षित के साथ साथ विनोद मिश्रा, नीलम पांडेय, सुनील दत्त पांडेय एवं अन्य कलाकार शामिल हैं। इस फिल्म के पोस्ट प्रोडक्शन का काम जल्द ही शुरू किया जायेगा।

# फिल्म 'ना हम समझ सके ना तुम' की शूटिंग सात जनवरी से शुरू होगी

**मुंबई/एजेन्सी**

निर्माता से निर्देशक बने आशीष माहेश्वरी की आगामी बॉलीवुड फिल्म ना हम समझ सके ना तुम की शूटिंग सात जनवरी 2026 से शुरू होगी। आशीष माहेश्वरी ने अपने करियर की शुरुआत एक निर्माता के रूप में की थी। उन्होंने फिल्म दोस्ती ज़िंदाबाद का निर्माण किया था, जो एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म थी और जिसमें देव शर्मा, शक्ति कपूर, राहुल चौधरी और अब्बास खान मुख्य भूमिकाओं में थे। इस फिल्म का निर्देशन पार्थो घोष ने किया था। इसके अलावा, उन्होंने फिल्म रक्तभूमि का भी निर्माण किया था, जिसमें रवि किशन और मोनालिसा मुख्य भूमिकाओं में थे। आशीष माहेश्वरी ने बताया कि उन्हें बचपन से ही फिल्मों की तरफ रुझान था, लेकिन पढ़ाई लिखाई और व्यापार के कारण वे ज्यादा समय इस ओर नहीं दे पाते थे। अब उन्होंने पूरा समय फिल्मी दुनिया के लिए देने का विचार कर लिया है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि मैं अपनी कहानी को बड़े पर्दे पर दिखाऊं। मैं अपने दर्शकों के लिए एक अच्छी फिल्म बनाने की कोशिश कर रहा हूँ और मुझे उम्मीद है कि वे इसे पसंद करेंगे।

आशीष माहेश्वरी ने बताया कि फिल्म की कहानी पर बहुत मेहनत की गई है और लेखक पार्था अकरकर का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा, पार्था अकरकर ने अपनी पटकथा और संवाद से इस फिल्म को चार चाँद लगा दिए हैं। मैं उनके साथ काम करने के लिए बहुत उत्साहित हूँ। आशीष माहेश्वरी ने बताया कि फिल्म के कलाकारों का चयन जारी है और जल्द ही फिल्म के फर्स्ट लुक के साथ सभी स्टार कास्ट के नामों की घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा, हमारे पास कई अच्छे कलाकार हैं और हमें उम्मीद है कि दर्शकों को वे पसंद आएंगे।

श्रेया सिने विज़न के बैनर तले बन रही फिल्म ना हम समझ सके ना तुम की प्रेजेंटर शैलेश माहेश्वरी ,निर्माता श्रुति माहेश्वरी ,लेखक और निर्देशक आशीष माहेश्वरी,सह निर्माता संजय भूषण और जावेद जानी मियां सैयद ,पटकथा और संवाद पार्था अकरकर,संगीतकार विश्वजीत भट्टाचार्य (बिबो) ,छायांकन अयूब अली खान ,कार्यकारी निर्माता मोहम्मद शाहनवाज हुसैन हैं।

## प्रदर्शन

जूनियर डॉक्टरों ने गुरुवार को पटना मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में अपनी लंबित माँगों के समर्थन में विरोध प्रदर्शन किया।



# 'रक्तबीज 2' का ट्रेलर रिलीज

**मुंबई/एजेन्सी**

विंडोज़ प्रोडक्शन ने अपनी आने वाली फिल्म रक्तबीज 2 का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। फिल्म रक्तबीज 2 का निर्देशन मशहूर जोड़ी नंदिता रॉय और शिबोप्रसाद मुखर्जी ने किया है। धांसू एक्शन, रोमांचक ड्रामा और गहरे सामाजिक संदेश का संगम, इस फिल्म को पहले से ही बांग्ला सिनेमा की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल कर रहा है। विक्टर बनर्जी, सीमा बिस्वास, अभिर चटर्जी, अंकुश हज़रा, मिमी चक्रवर्ती, कौशानी मुखर्जी, नुसरत जहां, कंचन मलिक, अनुशुआ मजूमदार समेत कई बड़े कलाकारों की मौजूदगी इस फिल्म को अभूतपूर्व पैमाने और गहनता से पेश करती है। नंदिता रॉय ने कहा , रक्तबीज 2 हमारी सबसे महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक है, सिर्फ पैमाने के लिहाज़ से ही नहीं, बल्कि उम्मीदों के मामले में भी। दर्शक आज सिर्फ दिखावा नहीं, बल्कि सार्थक कहानियाँ चाहते हैं। यह फिल्म उसी बदलाव को दर्शाती है। शिबोप्रसाद मुखर्जी ने कहा , हमारा मिशन हमेशा से मनोरंजन के साथ-साथ दिल और दिमाग को जोड़ना रहा है।

रक्तबीज 2 यह सार्वभौमिक सच्चाई दिखाता है कि आतंकवाद की कोई राष्ट्रीयता नहीं होती। अब समय आ गया है कि हम यह लेबल लगाना बंद करें और एकजुट हों। रक्तबीज 2 इस दुर्गा पूजा पर रिलीज़ होने जा रही है।

# मनोज बाजपेयी ने बिहार में बाढ़ प्रभावित लोगों की सहायता करने की अपील की है

**मुंबई/एजेन्सी**

बॉलीवुड स्टार मनोज वाजपेयी ने बिहार में बाढ़ प्रभावित लोगों की सहायता करने की अपील की है। बिहार में भीषण बाढ़ ने तबाही मचा रखी है, जिससे हजारों परिवार विस्थापित हो गए हैं और कई गांव जलमग्न हो गए हैं। ऐसे समय में मनोज बाजपेयी राहत प्रयासों को तेज करने के लिए आगे आए हैं। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम और ट्विटर हैंडल पर लोगों से इस आपदा से प्रभावित लोगों की तत्काल सहायता करने की अपील की है।

अपने पोस्ट में बाजपेयी ने तबाही के स्तर को उजागर करते हुए लिखा कि कैसे कई परिवार बेघर हो गए हैं और जीवित रहने के लिए राहत केंद्रों पर निर्भर हैं। उन्होंने एनजीओ आह्वान फाउंडेशन की ज़मीनी प्रयासों की जानकारी साझा करते हुए बताया कि एनजीओ ने अब तक 50,000 से अधिक राहत किट वितरित किए हैं और सबसे अधिक प्रभावित ज़िलों में 53 राहत केंद्र स्थापित किए हैं। अभिनेता ने अपने प्रशंसकों और आम जनता से उदारता से योगदान देने की अपील करते हुये कहा कि हर प्रयास जीवन बचाने में अहम है।

मनोज बाजपेयी, जो बिहार के पश्चिम चंपारण ज़िले के बेलवा गाँव से ताल्लुक रखते हैं, अक्सर राज्य के प्रति अपने गहरे लगाव के बारे में बात करते आए हैं। उनकी अपील में एक व्यक्तिगत भावनात्मक जुड़ाव नज़र आया, जब उन्होंने बाढ़ पीड़ितों की दुर्दशा पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि एकजुटता और सामूहिक प्रयास ही इस त्रासदी से उबरने का रास्ता हैं। मनोज वाजपेयी ने सोशल मीडिय पर कहा, मैं सभी से आग्रह करता हूँ कि आगे आएँ और मदद करें। बिहार को अभी हमारी सबसे ज़्यादा ज़रूरत है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | शुक्रवार | 19-09-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद (अभातेयुप) के तत्वावधान में 61वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार को पूरे देश में रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0 मेगा रक्तदान शिविरों के आयोजन के तहत तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर द्वारा 39 केंद्रों पर आयोजित रक्तदान शिविर में लगभग 1127 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया।

# बच्चों को सम्यक्त्व और सदाचार का ज्ञान देना माता-पिता का कर्तव्य : साध्वी आगमश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विल्सन गार्डन जैन स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी आगमश्री ने कहा कि जैन दर्शन में धार्मिक क्रियाएं मात्र बाहरी आडंबर नहीं हैं, बल्कि वे हमारी आत्मा को निर्मल, कोमल, पवित्र और शांतिपूर्ण बनाने का माध्यम हैं। जब व्यक्ति धर्म की ओर अग्रसर होता है, तब उसका जीवन सरल और अनुशासित बनता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मनुष्य के जीवन में बचपन एक स्वर्णिम अवसर होता है। छोटे बालक सरल हृदय, निर्दोष और निष्कलंक होते हैं। इस बाल्यकाल में उन्हें अच्छे संस्कार देना प्रत्येक माता-पिता का प्रथम कर्तव्य है। बच्चों को मिथ्यात्व से दूर रखकर सम्यक्त्व का ज्ञान सिखाना आवश्यक है। साध्वी धैर्याश्री ने कहा साधक गुरु के चरणों में श्रद्धा रखता है और शास्त्रों का अध्ययन करता है, तब उसकी आत्मा का अज्ञान दूर होकर प्रकाश फैलता है।

आज के भौतिकवादी युग में मनुष्य बाहरी वैभव और सुख-सुविधाओं में इतना उलझ गया है कि आत्मा का वास्तविक सुख भूल बैठा है।

वास्तव में स्थायी सुख न तो धन में है और न पद में, वह तो केवल आत्मा की शुद्धि और सम्यक आचरण में है। प्रचार प्रसार मंत्री प्रकाशचंद बाफना ने आचार्य शिवमुनि के 84वें जन्मोत्सव पर कल आयोजित होने वाली सामायिक साधना के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर संघ के चेयरमैन मीठालाल मकाणा, अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली, मंत्री सज्जन बोहरा आदि उपस्थित थे।

## गुरु दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के तेरापंथ सभा ट्रस्ट हनुमंतनगर के अध्यक्ष गौतम दक के नेतृत्व में ट्रस्ट के सदस्यों ने अहमदाबाद में विराजित आचार्य महाश्रमणजी के दर्शन किए और हनुमंतनगर सभा द्वारा भवन में चलने वाली गतिविधियों की जानकारी प्रदान की। साथ ही इस वर्ष हनुमंतनगर को चातुर्मास प्रदान करने हेतु निवेदन पत्र सौंपा। संघ यात्रियों ने मुख्य मुनिश्री महावीरकुमारजी, साध्वीप्रमुखा विश्रुतविभाजी, सभा प्रवेशक मुनिश्री विश्रुतकुमार जी आदि के दर्शन किए। इस मौके पर ट्रस्ट व सभा के अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

# हिंदी शिक्षण संघ संस्थानों में मनाया गया हिन्दी दिवस

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के हिंदी शिक्षण संघ द्वारा संचालित संस्था एसएमजीएच पीयू कॉलेज एवं एसएमएसजी डिग्री कॉलेज, इंदिरानगर के संयुक्त तत्वाधान में गुरुवार को हिंदी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं ईश वंदना से हुआ। विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों में गीत, नृत्य, भाषण, नाटक, काव्य पाठ इत्यादि प्रस्तुत किए गए। संघ के महामंत्री शांतिलाल चोपड़ा ने बताया कि हिंदी के उत्थान के लिए ही वर्ष 1950 में हिंदी शिक्षण संघ की स्थापना हुई थी।

कोषाध्यक्ष इंदरचंद भंसाली ने हिंदी के विकास पर अपने विचार व्यक्त किए। संघ के मार्गदर्शक एवं सलाहकार अनिल भंसाली ने कहा कि आज 'हिंदी' विज्ञान की भाषा बन गई है। प्राचार्या वाणी एच. ने कहा कि हिंदी राष्ट्र की भाषा है। डिग्री प्राचार्या अभिलाषा रजक ने कहा कि 'हिंदी हमारी पहचान है। व्याख्याता राजगुरु ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम संयोजक डॉ ब्रजेश पांडे के साथ सभी प्राध्यापकों ने मिलकर कार्यक्रम को नियोजित किया।

## संत दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जैन युवा संगठन के सदस्यों ने आदिनाथ जैन मंदिर चिकपेट में विराजित मुनिश्री आर्यशेखरविजयजी तथा अजितनाथ जैन मंदिर नगरथपेट में विराजित साध्वी लब्धिवर्धनश्रीजी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस मौके पर संगठन के अध्यक्ष मुकेश सुराणा ने संतों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। मंत्री सुश्रुत चेलावत ने संगठन के कार्यों की जानकारी दी। इस मौके पर उपाध्यक्ष रितेश पामेचा, सहमंत्री दीपेश धोका, कोषाध्यक्ष विनय गांधी, साधु साध्वी सेवा समिति के चेयरमैन कमलेश कोटरिया, पूर्व अध्यक्ष महावीर मुणोत, पूर्व मंत्री नीरज कटारिया,पूर्व कोषाध्यक्ष संतोष डुंगरवाल, पूर्व सहमंत्री विपुल पोरवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

# पुण्य के भागी हजार और पाप का भागी कोई नहीं बनता : संत ज्ञानमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने प्रभु महावीर के गुणों का वर्णन करते हुए कहा कि भगवान कब कहां रहते हैं, इसका किसी को पता नहीं होता है। ऐसे भगवान ने हमें धर्म का मार्ग बतलाया है। अगर उस मार्ग पर चलें तो जीवन बदल जाएगा। संसार में रहकर मनुष्य अपने लिए तो पाप करता ही है, साथ ही परिवार के लिए भी पाप करता है लेकिन जब कर्मों का उदय होता है तब कोई साथ नहीं देता है। संसार बहुत स्वार्थी है। भले सगा है, लेकिन समय बुरा होते ही वह साथ छोड़ देते है। कर्मों का उदय होने पर कोई किसी का साथ नहीं देता है। पुण्य के भागी तो सब बनना चाहते हैं। लेकिन पाप का भागी खुद ही बनना पड़ता है। संतश्री ने कहा कि काल जब आता है तो मनुष्य की एक भी चाल नहीं चलती है। वहां किसी की सिफारिश भी नहीं चलती है। ऐसा संसार है यहां कोई किसी का नहीं होता है। सब स्वार्थ ही है। मनुष्य को जीवन बदलने के लिए धर्म ध्यान करना चाहिए। धर्म के कार्य को निश्चय ही करना चाहिए। इन कार्यों में लापरवाही बिल्कुल नहीं करनी चाहिए। ऐसा करने के बाद ही मानव भव सफल होगा।

# साधना की निर्मल व पावन ज्योति हैं आचार्यश्री शिवमुनि : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

## आचार्य के 84वें जन्मोत्सव पर हुआ गुणगान व सामायिक तप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागडी रोड़ स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर दरबार में उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी, शालिभद्रमुनिजी, साध्वी सत्यप्रभाजी व सुप्रभाजी के सान्निध्य में गुरु ज्येष्ठ पुष्कर नरेश चातुर्मास समिति के तत्वावधान में श्रमण संघ के चतुर्थ पट्टधर आचार्य डॉ शिवमुनिजी का 84 वां जन्मोत्सव सामायिक दिवस के रूप में तप-त्यागपूर्वक मनाया गया। इस मौके पर आचार्यश्री के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में जैन कान्फ्रेंस कर्नाटक प्रान्तीय शाखाङ्गद्वारा दो-दो सामायिक की साधना करवाई। लक्की ड्रॉ के माध्यम से सामायिक साधना करने वाले 21 विजेताओं को चांदी के सिक्के दिए गए। इस अवसर पर साध्वी डॉ दर्शनप्रभा जी प्रथम मासिक पुण्यतिथि के मौके पर एकासन तप कर श्रद्धांजलि अर्पित की। समिति की ओर से गुरुभक्त परिवारों द्वारा ईटा अपार्टमेंट के पास अन्नदान का कार्यक्रम भी रखा गया।ङ्गङ्गइस अवसर पर नरेशमुनिजी ने आचार्य शिवमुनिजी के बहुआयामी व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जैसे पर्वत में हिमालय, वृक्षों में कल्प वृक्ष, रत्नों में चिन्तामणि रत्न और वनों में नंदन वृक्ष सर्वश्रेष्ठ है। वैसे ही धर्म संघ में आचार्य शोभायमान होते हैं। संतश्री ने आचार्यश्री के साथ बिताए संस्मरण प्रस्तुत करते हुए उनकी सरलता, सहिष्णुता, सेवाभावना के बारे में बताया। साथ ही सबको आचार्य श्री के ध्यान साधना प्रकल्पों से जुड़ने की बात कहीं। नरेशमुनिजी ने अपने बहन साध्वी डॉ दर्शनप्रभाजी के गुण स्मरण करते हुए कहा कि दर्शनप्रभाजी के गुणों का स्मरण किया। शालिभद्र मुनिजी, साध्वी सुप्रभाजी, डॉ मेघाश्रीजी ने भी आचार्यश्री शिवमुनिजी व साध्वी दर्शनप्रभाजी द्वारा जिनशासन पर किए असीम उपकारों को याद किया। इस अवसर पर जैन कान्फ्रेंस कर्नाटक प्रान्तीय के अध्यक्ष प्रकाशचन्द बुरड़, मुमुक्षु अंजलि बागरेचा, गौतमचन्द ओस्तवाल, समिति के महामंत्री महावीरचंद मेहता आदि वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर जैन कान्फ्रेंस कर्नाटक के युवा व महिला सदस्य भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन शालिभद्र मुनि जी ने किया।

# तेयुप राजाजीनगर ने 24 केन्द्रों से संग्रहित किया 683 यूनिट रक्त

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद (अभातेयुप) के तत्वावधान में 61वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार को पूरे देश में रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0 मेगा रक्तदान शिविरों के आयोजन के तहत तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा 24 केंद्रों पर आयोजित रक्तदान शिविर में 683 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। शिविर में कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। शिविर में तेरापंथ सभा के अध्यक्ष अशोक चौधरी, परामर्शक प्रवीण नाहर, सतीश पोरवाड़, संयोजक कमलेश गन्ना, कमलेश चौरड़िया, वर्तमान अध्यक्ष जितेश दक, प्रभारी सुनील मेहता, संयोजक सचिन हिंगड़ एवं सहसंयोजक अजिंक्या चौधरी, प्रबंध मंडल, कार्यकारिणी एवं किशोर मंडल का विशेष योगदान रहा।

# तेयुप हुब्बल्ली द्वारा 12 रक्तदान शिविरों पर संग्रहित हुआ 413 यूनिट रक्त

हुब्बल्ली/दक्षिण भारत। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद (अभातेयुप) के तत्वावधान में 61वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार को पूरे देश में रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0 मेगा रक्तदान शिविरों के आयोजन के तहत तेरापंथ युवक परिषद हुब्बल्ली द्वारा 12 केंद्रों पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इन शिविरों में लगभग 413 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। परिषद के अध्यक्ष हेमल चोपड़ा ने बताया कि शहर के अनेक ब्लड बैंक इस अभियान हेतु साथ में जुड़े।

मंत्री विनोद भंसाली ने जानकारी दी कि इस आयोजन के प्रायोजक प्रकाश इलेक्ट्रिक एजेंसी के कवाड़ परिवार थे। तेयुप के अनेक पदाधिकारी इस अवसर पर मौजूद थे और उन्होंने व्यवस्था सँभाली।

# तेरापंथ भवन मंड्या में आयोजित रक्तदान शिविर में 203 यूनिट रक्त एकत्र हुआ

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद (अभातेयुप) के तत्वावधान में 61वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार को पूरे देश में रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0 मेगा रक्तदान शिविरों के आयोजन के तहत तेरापंथ युवक परिषद मंड्या द्वारा तेरापंथ भवन में आयोजित रक्तदान शिविर में 203 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। सभा के अध्यक्ष सुरेश भंसाली ने रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया। इस मौके पर निश्यचलानंदनाथ स्वामीजी सहित अनेक राजनेता शिविर उद्घाटन में शामिल हुए। परिषद के अध्यक्ष कमलेश गोखरू, उपाध्यक्ष प्रवीण दक, मंत्री प्रदीप भंसाली, कोषाध्यक्ष किरण बोहरा आदि सदस्यों ने शिविर की व्यवस्था संभाली।

# तेयुप विजयनगर ने 39 रक्तदान शिविरों में 1127 यूनिट रक्त एकत्र किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद (अभातेयुप) के तत्वावधान में 61वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार को पूरे देश में रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0 मेगा रक्तदान शिविरों के आयोजन के तहत तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर द्वारा 39 केंद्रों पर आयोजित रक्तदान शिविर में लगभग 1127 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। उद्घाटन सत्र विजयनगर के अर्हम भवन में अभातेयुप के राष्ट्रीय संगठन मंत्री अमित सेठिया की अध्यक्षता में किया गया। तेयुप के विजयनगर अध्यक्ष विकास बाँठिया ने सभी का स्वागत किया। महासभा के प्रकाश लोढ़ा, अभातेयुप से दिनेश पोखरणा के साथ विभिन्न क्षेत्र के संगठन एवं आनुसांगिक संगठनों के अनेक पदाधिकारी, स्थान एवं अर्थ सहयोगी अर्हम मित्र मंडल के अध्यक्ष सुशील चोरड़िया, प्रकाश जैन, प्रेम बाई भंसाली आदि ने शुभकामनाएं दी।

## गौतमस्वामी महापूजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के महालक्ष्मीलेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में आचार्य प्रभाकर सूरीश्वरजी व साध्वी तत्वत्रयाजी की निश्रा में मंदिर प्रांगण में गौतमस्वामी महापूजन का आयोजन किया गया जिसमें अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे। महापूजन का विधिविधान धनंजय गुरु ने व संगीत की प्रस्तुति विजेश संगीत ग्रुप ने दी।

# अलसूर संघ में तपस्वी का सम्मान किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी इंदुप्रभा जी ने कहा कि साधु जीवन में कभी भी और कहीं भी परिषह आ सकते हैं। आहार, पानी अथवा स्थान का परिषह संतचर्या का अभिन्न अंग है। साध्वी वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि जीव जन्म लेते ही आहार संज्ञा से जुड़ जाता है। आहार शरीर के लिए आवश्यक है। फिर भी कुछ साधक शरीर का दमन कर वर्तमान समय में उत्कृष्ट छह महीने का तप कर सकते हैं। श्रमण संघीय आचार्य श्री शिवमुनि जी महाराज साहब के जन्मोत्सव पर उनके दीर्घायु की कामना की। प्रवचन में डा. नेहा जांगड़ा ने 30 उपवास के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया, अध्यक्ष धनपतराज बोहरा आदि ने तपस्वी के तप की अनुमोदना की। इस अवसर पर बेंगलूरु महासंघ के अध्यक्ष डॉ भीकमचंद सकलेचा, विल्सन गार्डन संघ के अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली, राजुल महिला मंडल आदि के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

## जीव दया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गुरुवार को श्रमण संघीय आचार्यश्री शिवमुनिजी के 84वें जन्मदिवस एवं उपप्रवर्तनी डॉ दर्शनप्रभा जी के स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में अलसूर के इन्द्रभूति गौतम जीवदया ट्रस्ट एवं जैन कान्फ्रेंस कर्नाटक विहार सेवा के सदस्यों ने रेसकोर्स रोड सर्कल के पास जीवदया के तहत पक्षियों को दाना डाला। इस अवसर पर आचार्यश्री भानुप्रतापसूरीश्वरजी ने जीवदया कार्यक्रम की अनुमोदना की। ट्रस्ट के प्रमुख महेंद्र मेहता, गुरु ज्येष्ठ पुष्कर सेवा समिति के महामंत्री महावीर मेहता, जैन कान्फ्रेंस कर्नाटक के वैयावच्च सेवा के अध्यक्ष विनोद पगारिया, महामंत्री प्रकाश बोहरा, रमेश खाबिया, आदि उपस्थित थे। अनेक जीवदया प्रेमियों ने पक्षियों के दाने के लिए दान राशि भी भेंट की।

# गुरु दर्शन कर लौटा राजराजेश्वरी नगर का गुरु कृतज्ञता यात्रा संघ

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथी सभा राजराजेश्वरी नगर के तत्वावधान में साध्वी पुण्ययशाजी की प्रेरणा से त्रिदिवसीय गुरु कृतज्ञता यात्रा संघ अहमदाबाद में विराजित आचार्यश्री महाश्रमण जी के दर्शनार्थ पहुंचा। सभाध्यक्ष राकेश छाजेड़ के नेतृत्व में मंत्री गुलाब बाँठिया सहित लगभग 130 सदस्य गुरु चरणों में उपस्थित हुए। राकेश छाजेड़ ने आचार्यश्री को साध्वी पुण्ययशाजी के सान्निध्य में राजराजेश्वरी नगर में चातुर्मासिक काल के कार्यों की व साध्वी विनितयशाजी व बोधिप्रभाजी की तपस्या की जानकारी दी। मंत्री गुलाब बाँठिया ने संघ की ओर से क्षमायाचना की। ङ्गआचार्यश्री ने आशीर्वाद देते हुए कहा कि आप अपने क्षेत्र में अनेकों कार्य कर रहे हैं पर साथ ही मुमुक्षु तैयार करने की भावना पर बल देना है। सदस्यों ने मुख्य मुनि महावीरकुमारजी, साध्वी संबुद्धयशा जी के दर्शन कर जानकारी दी। यात्रा संघ के मुख्य प्रायोजक सारिका, सुनील,ऋतिक नाहटा परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया गया। दूसरे दिन यात्रियों ने शंखेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर, अक्षरधाम आदि कई दर्शनीय स्थलों का भ्रमण करते हुए अन्य साधु साध्वियों के दर्शन किए। इस संघ यात्रा में कमलसिंह दुगड़, मनोज डागा, छतरसिंह सेठिया, बिकास छाजेड़, महिला मंडल की अध्यक्षा मंजु बोथरा, प्रायोजक सुनील नाहटा, यात्रा के संयोजक राजेश छाजेड़ एवं सहसंयोजक सरोज बैद, दिनेश मरोठी, सुशील भंसाली, बिकास छाजेड़ आदि ने व्यवस्थाओं में सहयोग किया। गुरुवार को संघ यात्री वापस बेंगलूरु पहुंचे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com